राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 326
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 19 अक्टूबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 यू.पी. रेरा ने 19वें और 20वें बैच के एजेंटों को प्रमाणपत्र किए प्रदान
पेज 4 दीवाली पर पटाखों की सुरक्षा हेतु दिशा-निर्देश जारी
पेज 6 ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं किंग कोहली

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में सांसदों के लिए बने अपार्टमेंट में आग लगी

नई दिल्ली। दिल्ली के बीडी रोड पर मौजूद सांसदों के लिए बने ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई। यहां पर कई राज्यसभा सांसदों और उनके स्टाफ के घर (फ्लैट) हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि फायर बिग्रेड को तुरंत ही आग लगने की जानकारी दी गई थी, इसके बावजूद टीम ने आने में देरी की। वहीं, घटना पर दिल्ली फायर सर्विसेज के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 1.22 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर बिग्रेड की 6 गाड़ियों को मौके पर भेजी गई। घटना का जो वीडियो सामने आए हैं उनमें नजर आ रहा है कि लोग यहां से वहां दौड़ रहे हैं।

हरीश रावत की कार का यूपी में एक्सीडेंट

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत की कार का यूपी में एक्सीडेंट हुआ है। गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हरीश रावत को दूसरी गाड़ी से देहरादून के लिए रवाना कर दिया गया है। हादसा यूपी के मेरठ में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर हुआ है। हरीश रावत के साथ मौजूद एक पुलिसकर्मी घायल है। घायल पुलिसकर्मी की पहचान राजवीर के रूप में हुई है, जिन्हें तुरंत नजदीकी रीटा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं हरीश रावत के सिर में भी हल्की चोट आई है, वह ड्राइवर के बगल वाली सीट में बैठे हुए थे, सीट बेल्ट की वजह से उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई है।

हैप्पी मॉर्निंग

सुरेश (मोहन से)- कभी किसी की हाय नहीं लेनी चाहिए
मोहन- क्या हुआ?
सुरेश- सुबह-सुबह पड़ोसन हाय बोल रही थी, मैंने ले ली और बीवी ने देख लिया
मोहन- फिर क्या हुआ?
सुरेश- 3 दिन से बाहर ही खा रहा हूं......

शायरी

चीनी नहीं है घर में, लो, मेहमान आ गये
मंहगाई की भट्ठी पे शराफत उबाल दो

अर्थसार

सेंसेक्स:
83,952.19
+484.53
निफ्टी:
25,709.85
+124.55

मौसम

अधिकतम : 31 डिग्री से0
न्यूनतम : 20 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 6 : 25
सूर्यास्त रविवार : 5 : 54

जहरीली हुई दिल्ली की हवा

कई जगह एक्यूआई का लेवल 350 पार

जाने ग्रेप के स्टेज

स्टेज 1 'खराब' (एक्यूआई 201-300)
स्टेज 2 'बहुत खराब' (एक्यूआई 301-400)
स्टेज 3 'गंभीर' (एक्यूआई 401-450)
स्टेज 4 'गंभीर प्लस' (एक्यूआई > 450)

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली से दो दिन पहले ही दिल्ली में प्रदूषण बढ़ गया है। राजधानी के कई इलाकों में एक्यूआई (एयर क्वॉलिटी इंडेक्स) 350 से पार हो गया है।

CPCB के मुताबिक शनिवार सुबह 8 बजे एक्यूआई 367 दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा एक्यूआई 370 आनंद विहार में रहा, वजीरपुर में 328, जहांगीरपुरी में 324 और अक्षरधाम में 369 रहा।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया है। आयोग ने यह कार्रवाई क्षेत्र में एक्यूआई के 211 तक पहुंचने के बाद की गई।

दिल्ली में दिवाली के अगले दिन कृत्रिम बारिश की तैयारी पूरी

तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। सिरसा ने कहा चुनिंदा इलाकों में दिवाली के एक दिन बाद कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग अगले 2-3 दिनों में जब हरी झंडी देगा तो ब्लास्टिंग/स्प्रे के बाद क्लाउड सीडिंग का एक सैंपल लिया जाएगा। हम जल्द बादलों के छाने का इंतजार कर रहे हैं।

ग्रेप-1 लागू, एन95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह

ग्रेप-1 तब सक्रिय होता है जब एक्यूआई 200 से 300 के बीच होता है। इसके तहत, एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों को 27 निवारक उपायों को सख्ती से लागू किया जाना है। इनमें एंटी-स्मॉग गन का उपयोग, पानी का छिड़काव, सड़क निर्माण, मरम्मत परियोजनाओं और रखरखाव गतिविधियों में धूल नियंत्रण करना शामिल हैं। एन95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह।

इधर, दक्षिण भारत के तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश जारी है। केरल में मुल्लापेरियार बांध का जलस्तर 137 फीट पार कर गया, जिसके कारण तीन गेट खोले गए, इससे निचले इलाकों में पानी भर गया। कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, तूतीकोरिन, विरुधुनगर, कांचीपुरम, चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, तिरुवन्नामलाई और रानीपेट जिलों में भी तेज बारिश हुई।

ढाका इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आग लगी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्गो एरिया में आज आग लग गई। अभी तक हादसे की वजह पता नहीं चल सकी है। आग इतनी तेज फैली कि एयरपोर्ट अथॉरिटी को सभी उड़ाने तुरंत रोकनी पड़ीं। दिल्ली से ढाका जा रही फ्लाइट का रूट चेंज कर कोलकाता भेज दिया गया। फायर सर्विस ने बताया कि आग एयरपोर्ट के गेट नंबर 8 के पास कार्गो विलेज में दोपहर 2: 30 बजे के आसपास शुरू हुई। अभी तक किसी की जान नहीं गई है, लेकिन माल ढुलाई का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। काला धुआं इतना घना था कि आसपास के इलाकों में हवा खराब हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। ढाका एयरपोर्ट पर आगजनी की वजह से अब तक कुल 9 उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट्स पर भेजना पड़ा है। इनमें से 8 प्लेन चटगांव एयरपोर्ट पर उतरे, और एक सिलहल एयरपोर्ट पर उतारा गया। इनमें दो प्लेन ऐसे थे जो पहले चटगांव से ही ढाका जाने के लिए उड़े थे। बाकी छह प्लेन इंटरनेशनल थे, जिनमें एक बैंकॉक से और दूसरा मिडिल ईस्ट से आया था।

धनतेरस

पश्चिम बंगाल के नादिया में धनतेरस के अवसर पर एक शोरूम में आभूषण खरीदती महिलाएं।

जेएनयू में छात्रों-पुलिस के बीच झड़प, 28 हिरासत में

पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप; दशहरा पर लेफ्ट-राइट छात्रों में हुई थी झड़प

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में शनिवार शाम वसंत कुंज नॉर्थ थाने की ओर मार्च कर रहे लेफ्ट से जुड़े छात्रों को पुलिस ने जेएनयू वेस्ट गेट पर रोक दिया।

इस दौरान धक्का-मुक्की पुलिस से धक्का मुक्की हुई। पुलिस ने 28 छात्रों को हिरासत में ले लिया है। इनमें 19 लड़के और 9 लड़कियां शामिल हैं।

जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष नितीश कुमार, उपाध्यक्ष मनीषा और महासचिव मुन्तिया फातिमा को भी हिरासत में लिया गया है। इसके बाद छात्रसंघ अध्यक्ष ने वीडियो भी जारी किया। पुलिस के मुताबिक दशहरे के दिन लेफ्ट और राइट विंग छात्रों के बीच कैंपस में झड़प हुई थी। पुलिस ने छात्र संगठनों के नेताओं से बात की और कानूनी कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन छात्रों ने घेराव की योजना नहीं छोड़ी।

क्या है पूरा मामला

3 अक्टूबर को जनरल बॉडी मीटिंग में मारपीट के मामले के बाद पुलिस की तरफ से एक्शन ना लिए जाने से लेफ्ट गुट के छात्र नाराज थे।

इसी को लेकर छात्र प्रदर्शन करने निकले थे। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली तो उन्होंने इन छात्रों को रोकने की कोशिश की, लेकिन छात्र नहीं मानें।

छात्रसंघ अध्यक्ष ने हिरासत में लिए जाने के बाज वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि मीटिंग के दिन मुझे, वाइस प्रेसिडेंड और अन्य कार्यकर्ताओं ने एबीवीपी के लोगों ने कई घंटों तक बंधक बनाया।

हमने पुलिस से शिकायत की। पुलिस आई लेकिन दिल्ली पुलिस के सामने एबीवीपी ने हमें मारा।

पंजाब से बिहार जा रही गरीब रथ ट्रेन में आग

सरहिंद स्टेशन के पास एसी बोगी में शॉर्ट सर्किट, सामान छोड़कर यात्री भागे, कई ट्रेनें प्रभावित

लुधियाना। पंजाब के अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ ट्रेन (12204) में शनिवार सुबह पंजाब के सरहिंद स्टेशन के पास आग लग गई। यह आग 19 नंबर एसी बोगी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इसमें लुधियाना के भी कई व्यापारी सफर कर रहे थे।

बोगी नंबर 19 में सवार एक यात्री ने आग लगते ही ट्रेन की चेन खींच दी। इससे ट्रेन रुक गई। इसके बाद बोगी में सवार यात्री अपना सामान छोड़कर तुरंत नीचे उतरे। अफरातफरी के बीच ट्रेन से उतरने में कई यात्रियों को चोटें आई हैं। एक यात्री को ज्यादा चोट लगी है। कुछ यात्री अपने बच्चों के साथ सफर कर रहे थे। उधर, सूचना मिलते ही रेलवे, फायरबिग्रेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। आग में बोगी नंबर 19 पूरी तरह चल गया। 18 नंबर बोगी को भी नुकसान पहुंचा है।

जली बोगी को अलग करने के बाद ट्रेन को 3 घंटे बाद अंबाला के लिए रवाना किया गया। उधर, रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। अंबाला डिवीजन के डीआरएम भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

उधर, इस घटना का असर कई अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा है। अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस, गुरुमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, दिल्ली इंटरसिटी, और जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई।

अंबाला मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद भाटिया ने बताया कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है।

गुजरात के साबरकांठा में हिंसा, 10 लोग घायल

साबरकांठा। गुजरात में साबरकांठा के माजरा गांव में शुक्रवार रात दो गुटों के बीच हिंसा हुई। हिंसा में करीब 10 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान 30 वाहनों में आग लगा दी गई और कई घरों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने अब तक 20 लोगों को हिरासत में लिया है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला। साबरकांठा के डीएसपी अतुल पटेल ने बताया, माजरा गांव में रात लगभग 10: 30 बजे दो समूहों के बीच पथराव और आगजनी की घटना हुई। करीब 110 से 120 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है हिंसा की वजह वजह पुरानी दुश्मनी बताई जा रही है।

ऑक्टा-एफएक्स पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

- ईडी ने ट्रेडिंग कंपनी की 2385 करोड़ की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की, घोटाले का मास्टरमाइंड स्पेन में गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने फॉरेन करेंसी (विदेशी मुद्रा) ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऑक्टा एफएक्स की 2,385 करोड़ रुपए की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है। कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत की गई है।

आरोप है कि ऑक्टा एफएक्स ने बिना आरबीआई की अनुमति के फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म चलाकर भारतीय निवेशकों से 1,875 करोड़ रुपए की ठगी की और 5,000 करोड़ रुपए का अवैध मुनाफा विदेशों में भेजा।

ईडी ने कहा कि घोटाले का मास्टरमाइंड पावेल प्रोजोरोव को स्पेनिश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घोटाले का पैसा प्रोजोरोव के क्रिप्टो वॉलेट्स में रखा गया था, जबकि कुछ रकम FDI के रूप में भारत में दोबारा निवेश की गई। इस पैसे से लक्जरी यॉट और विदेशी संपत्ति भी खरीदी गई।

7 देशों में फैला मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क

ईडी की जांच में पता चला कि मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, स्पेन, एस्टोनिया, जॉर्जिया, साइप्रस, दुबई और सिंगापुर में फैला था। आगे की जांच अंतरराष्ट्रीय मनी ट्रेल और क्रिप्टो चैनलों पर केंद्रित है।

ईडी के मुताबिक ऑक्टा एफएक्स शुरुआत में निवेशकों को छोटे मुनाफे दिखाकर विश्वास जीता। बाद में फर्जी चार्ट के जरिए उन्हें नुकसान पहुंचाया गया।

भारत में ऑक्टा एफएक्स ने यूपीआई और लोकल बैंक ट्रांसफर से निवेशकों का पैसा जुटाया। यह रकम डमी कंपनियों, ई-कॉमर्स कंपनियों और फर्जी अकाउंट्स के जरिए विदेश भेजी गई।

सक्षम जीवनसाथी को गुजारा भत्ता नहीं दिया जा सकता

एलिमनी न्याय का एक जरिया, न कि लोगों को अमीर बनाने का साधन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा- आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम जीवनसाथी को गुजारा भत्ता (एलिमनी) नहीं दिया सकता। स्थायी गुजारा भत्ता सामाजिक न्याय का एक जरिया (टूल) है। सक्षम लोगों को अमीर बनाने या उनकी आर्थिक बराबरी करने का साधन नहीं है। जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की डिवीजन बेंच ने कहा- गुजारा भत्ता मांगने वाले को यह साबित करना होगा कि उसे वास्तव में आर्थिक मदद की जरूरत है। इस मामले में पत्नी रेलवे में ग्रुप एक अधिकारी हैं। पर्याप्त पैसा कमाती हैं। हाईकोर्ट ने ये बातें एक महिला की स्थायी गुजारा भत्ता की मांग को खारिज करते हुए कही। दरअसल, महिला ने पति को क्रूरता के आधार पर तलाक दिया गया था, फिर मामले में फैमिली कोर्ट ने आदेश में पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता देने से मना किया गया था।

रिश्वत केस में गिरफ्तार पंजाब डीआईजी सस्पेंड

चंडीगढ़। रिश्वत केस में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरन सिंह भुल्लर को प्रदेश सरकार ने सस्पेंड कर दिया। इसको लेकर शनिवार को सरकार ने ऑर्डर जारी किया। सीबीआई ने डीआईजी भुल्लर और उनके एजेंट कृष्णु को 16 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्रा से 8 लाख रिश्वत लेते हुए पहले एजेंट कृष्णु को सेक्टर-21 से पकड़ा गया था। फिर सीबीआई ने साथ जाकर डीआईजी को भी रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी है कि कृष्णु ही डीआईजी को रिश्वत के लिए शिकार खोजकर देता था।

बिहार में महागठबंधन से अलग हुआ जेएमएम

- 6 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान, तेजस्वी दे रहे थे दो सीटें

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग हो गया है। अब जेएमएम बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। महागठबंधन में तेजस्वी जेएमएम को मात्र दो सीटें चकाई और कटोरिया दे रहे थे। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर एनडीए के खिलाफ हमारे कार्यकर्ता लंबे समय से संघर्ष करते आ रहे हैं, वो सीटें हमें मिलनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि, झारखंड में हमने 2019 में भी राजद, कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था। उनको अपनी सीटें दी थी। राजद को तो केवल सीटें ही नहीं दी, बल्कि विजयी उम्मीदवार को 5 सालों तक मंत्री बनाया।

यही नहीं सम्मानजनक तरीके उनको मुख्यमंत्री ने अपने तमाम यात्राओं, कार्यक्रमों में प्रमुखता से स्थान दिया। 2024 के चुनाव में हम लोगों ने राजद को 6 सीटें और उनके विजयी एक प्रतिनिधि को अभी के वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

यूसीसी

उत्तराखंड में यूसीसी नियमों में बदलाव की तैयारी, याचिकाकर्ता बोले- मुद्दों से भटकाने वाली बात है

लिव इन में रहने पर पैरेंट्स को नहीं बताएगी सरकार

मनमीत, देहरादून। उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के तहत सरकार लिव-इन रिलेशन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव करने जा रही है। नए प्रस्तावों के अनुसार अब अगर 21 साल से कम उम्र का कोई युवा लिव-इन में रह रहा है, तो सरकार यह जानकारी उसके माता-पिता को नहीं देगी।

इसके साथ ही लिव-इन पार्टनर के गर्भवती होने या रिश्ता खत्म होने के बाद बच्चे के जन्म की सूचना देने की अनिवार्यता भी खत्म कर दी जाएगी। राज्य सरकार ने इन बदलावों को नागरिकों की प्राइवेसी और फ्रीडम से जोड़ते हुए कोर्ट में शपथपत्र दाखिल किया है।

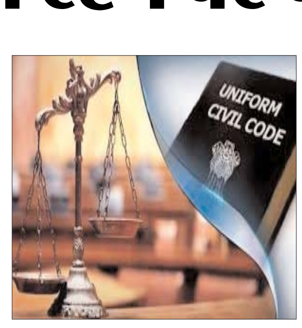

नई नीति के तहत लिव-इन कपल की कोई पुलिस जांच या निगरानी नहीं होगी। कोई भी व्यक्ति बिना ठोस कारण किसी लिव-इन जोड़े की शिकायत भी नहीं कर सकेगा। विवाह पंजीकरण में भी अब धर्म या सामुदायिक प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी।

यूसीसी में संशोधन का प्रस्ताव हाईकोर्ट में

उत्तराखंड सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, 2025 में संशोधन के लिए प्रस्ताव नैनीताल हाईकोर्ट में दाखिल किया है। सरकार ने कहा कि नए नियम नागरिकों की निजता की रक्षा करेंगे। शपथपत्र में बताया गया है कि विवाह पंजीकरण और लिव-इन संबंधों से जुड़ी कई शर्तों को हटाया जाएगा, जिससे कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से संबंध या विवाह का पंजीकरण करा सकेगा।

क्या बदलेंगे नए नियम

लिव-इन पार्टनर की सूचना माता-पिता को नहीं दी जाएगी।
21 साल से कम उम्र वालों पर भी गोपनीयता लागू होगी।
संबंध खत्म होने या गर्भधारण की रिपोर्ट देने की बाध्यता हटेगी।
पुलिस जांच या निगरानी नहीं होगी।
केवल कानूनी शिकायत ही स्वीकार होगी।
विवाह पंजीकरण में सामुदायिक या धार्मिक अनुशंसा जरूरी नहीं रहेगी।
विवाह पंजीकरण के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता भी खत्म होगी।

राज्य में अब तक 2 लाख विवाह, 58 लिव-इन पंजीकृत

यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में अब तक करीब 4 लाख लोगों ने विवाह पंजीकरण कराया है। इनमें 2 लाख से अधिक विवाह पंजीकृत हुए हैं। वहीं, 58 जोड़े लिव-इन में रह रहे हैं, जबकि एक जोड़े ने संबंध समाप्त किया है।

संपादकीय

‘धर्म की दीवारें नहीं, इंसानियत की नींव चाहिए’

विभाजन की जड़ें धर्म में नहीं, अहंकार में हैं

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत आज चाँद तक पहुँच चुका है, पर दिल अब भी ज़मीन की सीमाओं में क़ैद हैं।
हमने तकनीक को अपनाया, पर सहिष्णुता को भुला दिया।
ओशो ने कहा था — ‘धर्म का अर्थ है जागरूकता, लेकिन मनुष्य ने उसे संप्रदाय बना दिया।’ यही हमारी सबसे बड़ी त्रासदी है — हमने धर्म को मंदिरों में बंद कर दिया और इंसानियत को भूल गए।
अब समय है कि हम धर्मों की दीवारें गिराकर मानवता की नींव को फिर से मजबूत करें —
क्योंकि सभ्यता की उम्र ईश्वर की नहीं, इंसान के व्यवहार से तय होती है।
हर धर्म का सार — ‘मानवता ही सर्वोच्च’
गौतम बुद्ध ने कहा था — ‘धर्म वही है जो दुख कम करे।’
ईसा मसीह ने सिखाया — ‘अपने पड़ोसी से वैसे ही प्रेम करो जैसे अपने आप से करते हो।’
कुरान में लिखा है — ‘जो एक जान बचाता है, उसने पूरी मानवता को बचाया।’
गीता कहती है — ‘समदर्शी बनो, क्योंकि हर आत्मा परमात्मा का अंश है।’
गुरु नानक देव जी ने कहा — ‘ना कोई हिंदू, ना कोई मुसलमान — सब इंसान हैं।’
जब सभी धर्म एक ही संदेश देते हैं — करुणा, समानता और सत्य —
तो यह सवाल उठता है कि फिर नफ़रत किसकी देन है?
स्पष्ट है — नफ़रत धर्म से नहीं, स्वार्थ और अहंकार से जन्म लेती है।

धर्म नहीं, विवेक राष्ट्र को आगे बढ़ाता है

स्वामी विवेकानंद ने कहा था — ‘जो देश अपने नागरिकों में मनुष्यता नहीं जगा पाता, वह कभी महान नहीं बन सकता।’
जब समाज धर्म के नाम पर बँटता है, तो उसकी ऊर्जा आत्मघाती टकराव में नष्ट हो जाती है।
जिन देशों ने धर्म को निजी आस्था तक सीमित रखा —
जैसे जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया — उन्होंने तकनीक, शिक्षा और उद्योग में दुनिया को पीछे छोड़ दिया।
भारत को भी समझना होगा — विकास आरती या अज़ान से नहीं,
विज्ञान, परिश्रम और विवेक से होता है।
गांधीजी ने चेताया था — ‘धर्म राजनीति से अलग होना चाहिए, वरना दोनों भ्रष्ट हो जाते हैं।’
आज उनकी यह बात पहले से कहीं ज़्यादा प्रासंगिक है।

इंसानियत ही स्थायी धर्म है

कार्ल मार्क्स ने कहा था — ‘धर्म जनसमूह की चेतना को दबाने का औज़ार बन सकता है, अगर इंसान विवेक खो दे।’
वहीं ओशो ने यह दृष्टिकोण संतुलित करते हुए कहा —
‘धर्म तब सुंदर है जब वह अनुभव बनता है, जब वह प्रेम और करुणा में खिलता है।’
यानी धर्म को जीवन का सौंदर्य बनाओ, न कि सीमा रेखा।
जो भूखे को भोजन दे, सत्य के लिए खड़ा हो, वह किसी भी धर्म से ऊपर है।
आज हमें मंदिरों या मस्जिदों से ज़्यादा ज़रूरत है ‘मानवता के विद्यालयों’ की —
जहाँ बच्चे यह न सीखें कि कौन-सा धर्म श्रेष्ठ है, बल्कि यह कि कौन-सा कर्म श्रेष्ठ है।
युवा पीढ़ी दीवारें नहीं, पुल चाहती है
आज का युवा इंटरनेट युग का नागरिक है,
वह मंदिर-मस्जिद नहीं, इनोवेशन लैब और स्टार्टअप हब चाहता है।
वह रोज़गार चाहता है, न कि दंगे।
वह अवसर चाहता है, न कि उपदेश।
नेल्सन मंडेला ने कहा था — ‘अगर इंसान नफ़रत करना सीख सकता है, तो वह प्रेम करना भी सीख सकता है — क्योंकि प्रेम उसकी प्रकृति है।’
भारत की नई पीढ़ी यही प्रेम और सहयोग लेकर आगे बढ़ना चाहती है।
हमें बस उन्हें वह वातावरण देना है —
जहाँ धर्म नहीं, इंसानियत सफलता की कसौटी बने।

जब दीवारें गिरेंगी, तब ही भारत खिलेगा

भारत की असली शक्ति उसकी विविधता है,
और विविधता का फूल तभी खिलेगा जब इंसानियत उसका जल बनेगी।
हमें ऐसा भारत बनाना है जहाँ किसी का धर्म नहीं,
बल्कि कर्म उसकी पहचान हो।
जहाँ ‘जय श्रीराम’ और ‘अल्लाह हू अकबर’
एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं,
बल्कि ‘जय मानवता’ के सुर में संगति करें।
गौतम बुद्ध ने कहा था — ‘दुनिया में अंधेरा इसलिए नहीं है कि सूरज नहीं, बल्कि इसलिए कि लोग आँखें बंद किए बैठे हैं।’
अब वक़्त है आँखें खोलने का —
क्योंकि जब इंसानियत ज़िंदा रहती है, तब ही सभ्यता बची रहती है। ?

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

-ललित गर्ग-

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक ‘उज्ज्वलता’ ही सच्ची ‘धन्यता’ है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है- अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। ‘तमसो मा ज्योतिर्गमय’ अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्टीय ही नहीं, अन्तर्राष्टीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है।

भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है।

महात्मा गांधी ने कहा था, सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने। यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-‘बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत’। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए।

ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं।

अंधकार का साम्राज्य स्वत: समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी

जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-‘बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत’। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।

जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वत: दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3685

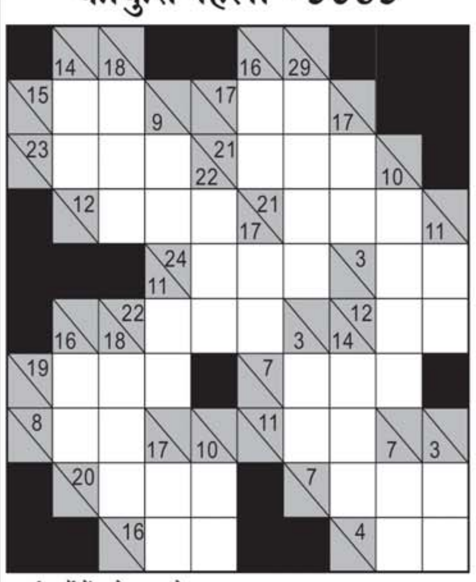

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

	16 \ 23	1	2	3	4	6
	6					
	8					
	9					

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3684का हल

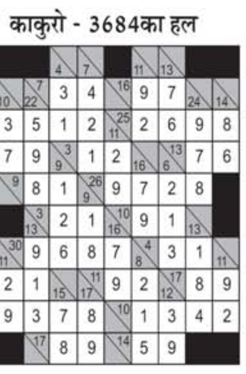

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया?
नौकर: नहीं हुजूर.
मालिक: क्यों नहीं डाला?
नौकर: कैसे डालता? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान, दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.
प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3685

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3684

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		ह		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -3685

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3684 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3685

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3684 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	व		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

यू.पी. रेरा ने 19वें और 20वें बैच के एजेंटों को प्रमाणपत्र किए प्रदान

लखनऊ / गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी प्राधिकरण (यू.पी. रेरा) द्वारा शुक्रवार को लखनऊ स्थित मुख्यालय में एजेंट प्रशिक्षण प्रमाणन कार्यक्रम के 19वें और 20वें बैच के सफल अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री संजय भूसरेड्डी ने 84 एजेंटों को प्रमाणपत्र सौंपे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पहली बार दिसम्बर 2024 में लखनऊ स्थित लिटरेसी हाउस से शुरू किया गया था। तब से अब तक पूरे प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण सभी एजेंटों के लिए अनिवार्य है ङ्क चाहे वे पहले से यू.पी. रेरा से पंजीकृत हों या नया पंजीकरण कराना चाहते हों।

प्रशिक्षण चार दिनों का होता है। पहले तीन दिनों में प्रतिभागियों को रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, उपभोक्ता अधिकार, संपत्ति लेनदेन के कानूनी पहलुओं और एजेंटों की जिम्मेदारियों पर गहन जानकारी दी जाती है। चौथे दिन लिखित परीक्षा होती है, जिसे पास करने पर ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है। इस प्रशिक्षण की फीस 6,000 रुपये है और आवेदन यू.पी. रेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाते हैं। अब तक कुल 22 बैचों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा चुका है। इसमें 1750 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया और 890 ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है जिसमें से 20वें बैच तक का परिणाम जारी किया जा चुका है और कुल 781 अभ्यर्थी परीक्षा देकर सफल रहे हैं। यह कार्यक्रम लगातार प्रशिक्षित और योग्य एजेंटों का समूह तैयार कर रहा है, जो रियल एस्टेट क्षेत्र में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करेंगे।

प्रशिक्षण में शामिल एजेंटों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उनका कहना है कि यह कोर्स ज्ञानवर्धक है और इसके बाद वे घर खरीदारों से और अधिक पेशेवर एवं आत्मविश्वास के साथ जुड़ पा रहे हैं। प्रतिभागियों ने यह भी सराहा कि प्रशिक्षण खुद यू.पी. रेरा के वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ लेते हैं, जिससे कोर्स की सामग्री सीधे क्षेत्र की व्यावहारिक जरूरतों से जुड़ी रहती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यू.पी. रेरा के अध्यक्ष श्री संजय भूसरेड्डी ने कहा कि प्रशिक्षित एजेंट रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि एजेंट केवल बिचौलिए नहीं हैं बल्कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने वाले जिम्मेदार हिस्सेदार भी हैं। प्रशिक्षण के बाद एजेंट खरीदारों और निवेशकों को सही मार्गदर्शन देने में सक्षम बनते हैं, जिससे विवाद कम होते हैं और उपभोक्ता का विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने आगे कहा कि यू.पी. रेरा प्रशिक्षण प्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और जल्द ही ऑनलाइन मॉड्यूल भी शुरू किए जा सकते हैं ताकि पूरे प्रदेश में इच्छुक एजेंट आसानी से प्रशिक्षण ले सकें।

इस अवसर पर सचिव महेन्द्र वर्मा, प्रधान सलाहकार अब्रार अहमद, वित्तीय सलाहकार सुधांशु त्रिपाठी, विधि सलाहकार चंदन कुमार सिंह तथा सहायक निदेशक अमरीश कुमार भी उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

कुल 89 शिकायतें दर्ज, 06 का मौके पर ही किया गया निस्तारण

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु आज जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 89 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 06 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी ने आज तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की शिकायतें सुनी। इस दौरान 42 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया गया। इस अवसर उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ। यहां 46 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

इसी क्रम में सदर तहसील में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें 01 शिकायत दर्ज की गई, जिसका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

नोएडा में 4.5 करोड़ से मॉडल रोड बनेगी

▸ सेक्टर-126 में 500 मीटर लंबे हिस्से को चुना गया, मल्टी यूटिलिटी जोन में होगी तब्दील

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-126 में 500 मीटर लंबे हिस्से को 4.5 करोड़ रुपए की लागत से अपनी तीसरी मॉडल रोड में बदलने जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य पैदल यात्रियों, कार्यालय आने-जाने वालों और स्थानीय लोगों के लिए एक सुरक्षित, सुलभ और आकर्षक सार्वजनिक स्थान तैयार करना है।

यह सड़क ओरियन आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइन की जा रही है। रोड का ये पैच एचसीएल कार्यालय और दूसरे एंड पर स्कूल के पास से होकर गुजरेगी। यहां कई इंडस्ट्री, स्कूल, कॉलेज और स्थानीय विक्रेता है। इस रोड पर यूटीलिटी को भूमिगत रखा जाएगा।

ये यूटिलिटी डक्ट सड़क से दो मीटर गहराई में बनाया जाएगा, ताकि कोई भी समस्या आने पर सड़क को न खोदा जाए। डक्ट को खोलकर समस्या का निपटारा किया जा सके। यहां लाइटिंग केबल, बिजली केबल, वाटर सप्लाई लाइन, टेलीकॉम केबिल, गैस लाइन डक्ट में होंगी।

'यू0पी0 ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025' का आज हुआ भव्य समापन

असिस्टेंट कमिश्नर उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने किया स्टालों का भ्रमण एवं प्रशस्ति पत्र वितरित

गौतमबुद्धनगर। नोएडा हाट सेक्टर-33ए में आयोजित 10 दिवसीय यू0पी0 ट्रेड शो-स्वदेशी मेला 2025 का आज भव्य समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता असिस्टेंट कमिश्नर उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने की। इस अवसर पर यूपिकॉन कंसल्टेंट पंकज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

असिस्टेंट कमिश्नर उत्तर प्रदेश राजेन्द्र कुमार ने मेले में लगाए गए विभिन्न वन जनपद-वन उत्पाद, हस्तशिल्प, हथकरघा, माटी कला, लकड़ी शिल्प, रेडीमेड वस्त्र, घरेलू उत्पादों एवं स्वयं सहायता समूहों के स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिल्पियों, उद्यमियों एवं महिला समूहों से संवाद करते हुए उनके उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार तथा प्रस्तुति की सराहना की।

इस अवसर पर असिस्टेंट कमिश्नर द्वारा सभी प्रतिभागी स्टालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिल्पियों एवं उद्यमियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला प्रदेश के कारीगरों की सृजनशीलता, परिश्रम और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में सेतु का कार्य करते हैं।

मेले के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर 'लोकल के लिए वोकल' अभियान को नई गति प्रदान की। लाइव प्रदर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं शिल्प कार्यशालाएँ मेले की प्रमुख आकर्षण रहीं। आयोजित मेले में कुल बिक्री 1,53,72,565 की हुई।

उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने बताया कि यह 10 दिवसीय आयोजन प्रदेश के शिल्पियों एवं उद्यमियों के लिए व्यापारिक अवसरों का सशक्त मंच सिद्ध हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वदेशी मेले की सफलता में सभी की सहभागिता सराहनीय एवं प्रेरणादायक रही।

नोएडा में चार ठग गिरफ्तार

ईसीएचएस कार्ड पर फर्जी मरीज को भर्ती कर वसूलते थे रकम, एक्स सर्विस मेन का कार्ड किया यूज

नोएडा। थाना फेस 2 पुलिस ने चार ठगों को गिरफ्तार किया है। इन चारों ने एक्स सर्विस मेन के ईसीएचएस कार्ड को फर्जी तरीके से इस्तेमाल किया। फर्जी मरीजों को अस्पताल में एडमिट कराया और पैसा वसूल किया।

इनके नाम दानिश, प्रदीप गौर, सुमित और पूरन सिंह है। ये चारो बुलंदशहर के रहने वाले है। इसमें दानिश डी फार्मा है। प्रदीप और सुमित 12वीं पास और पूरन सिंह तीसरी पास है। इनके पास से 04 मोबाइल फोन अलग-अलग कंपनियों के और 7 ईसीएचएस कार्ड की फोटोकापी मिली है।

मरीजों को भर्ती करवाकर लेते रकम

डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पकड़ा गया प्रदीप नोएडा के अस्पताल में नौकरी करता है। ये तीनों लोग एक्स सर्विस मेन के ECHS कार्ड के जरिए एक फर्जी मरीज को प्रदीप के जरिए अस्पताल में भर्ती करवाते है।

भर्ती कराए गए मरीज के परिजनों से कुछ रुपए भर्ती कराने से पहले व बाकी डिस्चार्ज के बाद लेते है।

ये काफी लंबे समय से इस तरह के कार्य कर रहे थे। इससे पहले दिल्ली एनसीआर के अन्य शहरों में भी ईसीएचएस पैनल के अस्पताल में मरीजों को भर्ती करवाकर रकम ले चुके है। इसमें सबसे पढ़ा लिखा दानिश है।

इसने डी-फार्मा की शिक्षा की है। पकड़े नहीं जाए इसके लिए वाट्स एप्प काल का प्रयोग कर बात करते थे। ताकी पुलिस इनको ट्रेस न कर सके। ऐ स्थान पर नहीं रहते है। ये लोग बार बार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। ऐसे में इनको सर्विलांस के जरिए गिरफ्तार किया गया।

ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन (महासभा) की बैठक

जेवर। ग्रेटर नोएडा के अट्टा फतेहपुर गांव में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन (महासभा) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों की समस्याओं पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता भाटी ने की, जबकि इसका संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष सादिक खान ने किया। अपने संबोधन में गीता भाटी ने सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि यूनियन किसानों, मजदूरों और शोषित वर्ग की सच्ची आवाज है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो संगठन सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण आंदोलन करेगा। भाटी ने जेवर के छोटे टोल प्लाजा को लेकर प्रशासन पर भी निशाना साधा।

नोएडा में 340 किमी मैकेनिकल स्वीपिंग, ग्रेप-1 लागू

नोएडा। दिल्ली एनसीआर एवं आसपास के क्षेत्र एक्यूआई स्तर खराब श्रेणी में पहुंचने के बाद शहर में ग्रेप-1 लागू कर दिया गया है। प्रदूषण कम करने के लिए प्राधिकरण की 14 टीमों द्वारा सेक्टर और गांवों में 20 स्थलों का निरीक्षण किया गया।

इसमें लोगों को ग्रेप की गाइड लाइन व एनजीटी के नियमों के अनुपालन के संबंध में जागरूक किया गया। नोएडा क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी मुख्य सड़कों पर 20 टैंकर व 10 ट्रक माउंटेड एंटी स्मॉग गन के माध्यम से 120 किमी लंबाई में शोधित जल का छिड़काव किया गया।

14 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन लगाई

जिससे सड़कों पर उड़ने वाली धूल पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर रूप से 14 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से 340 किमी मुख्य मार्गों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण कराया गया। उद्यान विभाग द्वारा 05 टैंकरों के माध्यम सेंट्रल वर्ज पर लगे पेड-पौधे आदि की धुलाई का कार्य कराया गया।

निर्माण स्थलों पर एंटी स्मॉग गन

50 एंटी स्मॉग गन मशीनों का संचालन निर्माणाधीन साइटों पर किया जा रहा है।

प्राधिकरण की 14 टीमों द्वारा रोजाना वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभिन्न निर्माण परियोजनाओं, मार्गों एवं खुले क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिन निर्माण स्थलों पर निर्माण सामग्री को ग्रीन नेट से ढककर, पानी का छिड़काव व निर्माण स्थलों के चारों ओर मेट्रो शीट, ग्रीन कारपेट से ढका गया।

ग्रेटर नोएडा में लेखपाल 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में एंटी करप्शन टीम मेरठ ने एक लेखपाल और उसके सहयोगी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। लेखपाल को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। यह कार्रवाई सूरजपुर थाना क्षेत्र के एडीएम (ई) आवास के गोलचक्कर के पास की गई। गिरफ्तारी के दौरान लेखपाल के सहयोगी मोहसिन से भी 5 हजार रुपये बरामद हुए। इसके अलावा, एंटी करप्शन टीम ने लेखपाल की गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें से 4 लाख 71 हजार रुपये और मिले। यह कार्रवाई दादरी थाना क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव के एक किसान की शिकायत पर की गई। किसान ने बताया कि उनकी जमीन 1982 से किसी गड़बड़ी के कारण किसी और के नक्शे में दर्ज थी। इस समस्या को ठीक कराने के लिए वह लंबे समय से प्रयास कर रहे थे और मुख्यमंत्री से भी शिकायत कर चुके थे। इस मामले की जांच दादरी तहसील के लेखपाल दर्शन कुमार के पास थी। किसान के अनुसार, दर्शन कुमार ने इस समस्या को सुलझाने के लिए उनसे एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। किसान ने लेखपाल को 50 हजार रुपये दिवाली से पहले और 50 हजार रुपये दिवाली के बाद देने की बात कही, जिस पर लेखपाल सहमत हो गया। इसके बाद किसान ने एंटी करप्शन टीम मेरठ से संपर्क किया और पूरी जानकारी दी। एंटी करप्शन टीम ने एक जाल बिछाया।

ग्रेटरनोएडा में बनेगी पहली फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स

115 करोड़ होंगे खर्च, कंपनी का हुआ चयन, तीन प्रकार की यूनिट होंगी शामिल

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण जल्द ही सेक्टर 28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में अपने पहले फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू करने जा रहा है। 115 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह परियोजना प्राधिकरण के साथ निवेश को बढ़ावा देगी। इसका निर्माण कार्य आदेश जारी होने के 24 महीनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

यीडाअधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना का टेंडर अभिलाषा इंटरप्राइजेज को दिया गया है, जिसने टेंडर प्रक्रिया में अनुमानित लागत से कम बोली लगाई। लगभग 20,160 वर्ग मीटर भूमि पर बनने वाले इस चार मंजिला कॉम्प्लेक्स का बिल्टअप एरिया 38,665 वर्ग मीटर होगा, जबकि फ्लोर एरिया रेश्यो 1.4 और ग्राउंड कवरेज 35 प्रतिशत तय किया गया है।

ग्रेटरनोएडा में इस तरह से तैयार की जाएंगी फ्लैटेड इंडस्ट्री।

कंपनी को नवंबर तक काम अवॉर्ड कर दिया जाएगा।

240 प्लग एंड प्ले यूनिट होंगी

कॉम्प्लेक्स में कुल 240 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक इकाइयां होंगी, जो मेडिकल डिवाइस निर्माण के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई हैं। इनमें तीन प्रकार की यूनिट्स शामिल हैं टाइप-ए (120 वर्ग मीटर), टाइप-बी (90 वर्ग मीटर) और टाइप-सी (60 वर्ग मीटर)।

इसके अलावा, 60 वर्ग मीटर का एक रिटेल स्टोर, 500 वर्ग मीटर का बहुउद्देशीय हॉल व 330 वर्ग मीटर का प्रदर्शनी केंद्र भी परिसर का हिस्सा होंगे।

परिसर में कैफेटेरिया, खुदरा दुकानें, पार्किंग (202 स्थल) और लिफ्ट जैसी साझा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएँगी।

स्टार्टअप को देगा प्रोत्साहन

यीडा के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि यह कॉम्प्लेक्स मेडिकल डिवाइस निर्माताओं के लिए एक किफायती और सुसज्जित कार्यस्थल देगा करेगा।

उन्होंने कहा, यह परियोजना एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए गेमचेंजर साबित होगी, क्योंकि इससे उन्हें कम लागत पर आधुनिक बुनियादी ढांचे की सुविधा मिलेगी।

शार्ट न्यूज

प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में तैनात होंगे भूतपूर्व सैनिक और होमगार्ड

गौतम बुद्ध नगर। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवेन्द्र जायसवाल ने बताया उत्तर प्रदेश शासन ने प्रदेश के 380 उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शासन ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी उप निबंधक कार्यालयों में सुरक्षा गार्ड के रूप में भूतपूर्व सैनिकों एवं होमगार्डों की तैनाती की जाएगी ताकि अभिलेखों, संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों एवं कार्यालय परिसरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुख्य सचिव अमित गुप्ता द्वारा महानिरीक्षक निबंधन, उत्तर प्रदेश लखनऊ को संबोधित पत्र के माध्यम से कहा गया है कि शासन द्वारा पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के अनुरूप प्रदेश के 380 उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा हेतु कुल 315 भूतपूर्व सैनिकों एवं 789 होमगार्डों की व्यवस्था की जाएगी। इस व्यवस्था के लिए शासन स्तर से कुल वार्षिक व्यय ?40,53,82,883.64 (चालीस करोड़ तिरपन लाख बयासी हजार आठ सौ तिरासी रुपये चौसठ पैसे) की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रेटर नोएडा से लापता बच्ची बुलदंशहर से बरामद

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने 8 वर्षीय गुमशुदा बच्ची पायल को महज 12 घंटे में सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस कार्रवाई की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ जिले के नगला तिकोना गांव निवासी धर्मेंद्र ने मंडी श्याम नगर पुलिस चौकी पर अपनी बेटी पायल के लापता होने की सूचना दी थी। पायल अपनी मौसी रानी के साथ दनकौर थाना क्षेत्र के खेरली हाफिजपुर इलाके में रह रही थी और गुरुवार को अचानक कहीं चली गई थी। सूचना मिलते ही दनकौर पुलिस ने मिशन शक्ति, क्राइम डिटेक्शन टीम और मंडी श्याम नगर चौकी की संयुक्त टीमें गठित कर बच्ची की तलाश शुरू की। सोशल मीडिया, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय संसाधनों का सहारा लिया गया। लगातार प्रयासों के बाद, लगभग 12 घंटे की गहन तलाश के बाद पायल को देर रात सिकंदराबाद (बुलंदशहर) से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने इस सराहनीय कार्य के लिए दनकौर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

बंदर ने फेंकी ईंट, दरोगा की जान बची

जेवर। ग्रेटर नोएडा की दनकौर कोतवाली में तैनात दरोगा आशीष कुमार तिवारी की जान बाल-बाल बची है। एक बंदर ने तीसरी मंजिल से उन पर ईंट फेंकी, जो उनके हेलमेट पर लगी। इस घटना में दरोगा के कंधे में चोट आई है। यह घटना शनिवार शाम को हुई जब दरोगा तिवारी अपनी बाइक से घर से निकले थे। रास्ते में एक मकान की तीसरी मंजिल से बंदर ने ईंट फेंकी, जो सीधे उनके सिर पर लगी। हेलमेट पहनने के कारण उनके सिर पर गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन हेलमेट में दरार आ गई। ईंट हेलमेट से उछलकर उनके कंधे पर गिरी, जिससे उन्हें चोट आई। घटना के बाद उन्होंने अस्पताल में अपना इलाज कराया। कस्बे में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदर आए दिन राह चलते लोगों पर ईंट फेंकते हैं और हमला भी करते हैं। निवासियों ने नगर पंचायत और संबंधित विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बंदरों के बढ़ते उत्पात से कस्बे के लोग काफी परेशान हैं।

नोएडा में पहली पजल पार्किंग बनेगी

नोएडा। नोएडा के बाजारों में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। प्राधिकरण इस समस्या का हल निकाल लिया है। इसके लिए यहां बाजार में ऑटोमेटिड पजल पार्किंग बनाई जाएगी। पहले फेज में नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-62 में पजल पार्किंग बनाने जा रहा है। इसे क्र3.96 करोड़ में बनाया जाएगा। ये पार्किंग चार फ्लोर और 100 वाहनों की क्षमता की होगी। इसके अलावा दो अन्य स्थानों पर भी पजल पार्किंग बनाने पर विचार किया गया है। पार्किंग निर्माण के कंपनियों से आवेदन मांगे गए है। ये पार्किंग हाइड्रोलिक पार्किंग से अलग होती है। ऑटोमेटिड पजल पार्किंग एक पज़ल गेम की तरह है। जिसमें जितने पार्किंग स्लॉट होते है उतने ही स्टैंड होते है। जो ऊपर, नीचे, दाय और बाय मूवेबल होते है। इसे ऐसे समझे एक कार पार्किंग के लिए आती है। उसे ग्राउंड के स्टैंड पर खड़ा किया। उसे चौथे फ्लोर पर कार खड़ी करनी है। ऐसे में पूरा स्टैंड सेंसर के जरिए कार समेत ऊपर उठेगा और चौथे फ्लोर पर जाकर सेट हो जाएगा। नीचे खाली स्पेस पर दूसरा स्टैंड ऑटोमैटिक शिफ्ट हो जाएगा।

गर्लफ्रेंड ने शादी का झांसा देकर 2 करोड़ हड़पे

नोएडा। नोएडा में एक कंपनी के मालिक ने अपनी प्रेमिका पर शादी का झांसा देकर दो करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर लड़की के खिलाफ सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। 12 साल साथ रहने के बाद प्रेमिका ने शादी से इनकार कर दिया। इससे प्रेमी सदमे में है। लड़की पर आरोप है कि उसने प्रेमजाल में फंसाकर कंपनी में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी भी ले ली। अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में बिहार के रहने वाले मोहन चौहान ने बताया कि वह रॉयल पीजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मालिक है। उसकी दोस्ती क्षमा राय से करीब 15 साल पहले हुई। तीन साल बाद दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। प्रेम में पड़ने के बाद मोहन ने अपनी कंपनी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी क्षमा राय के नाम पर कर दी। इस दौरान क्षमा ने नोएडा में एक फ्लैट बुक कराया, जिसका भुगतान मोहन ने किया। तोहफे में उसने मोहन से एक कार भी ले ली। मोहन चौहान का आरोप है कि क्षमा राय ने शादी का झांसा देकर उससे लगातार पैसे ऐंठे।

धनतेरस पर पांच हजार वाहन सड़कों पर उतरे

नोएडा। जिले में धनतेरस पर शनिवार को लगभग पांच हजार वाहनों की डिलीवरी हुई है। इसमें दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक रही है। वाहन डीलर्स के अनुसार करीब दो हजार वाहनों की डिलीवरी रविवार को होगी। त्यौहारों में गाड़ियों की बिक्री में इजाफे से वाहन डीलर्स में खुशी का माहौल है। दोपहिया वाहन डीलर्स से मिली जानकारी के मुताबिक सभी शोरूम मिलाकर लगभग 3200 दोपहिया वाहनों की डिलीवरी हुई है। इसमें बाइक और स्कूटी शामिल हैं। दोपहिया वाहनों के डीलर सुधांशु ने कहा कि सभी तीन शोरूम मिलाकर 450 वाहनों की डिलीवरी हुई है। स्कूटी के मुकाबले बाइक अधिक बिकी हैं उन्होंने कहा कि छोटी दीपावली (रविवार) को भी डिलीवरी के लिए दोपहिया वाहनों की बुकिंग हुई है। बीते साल धनतेरस और दीपावली पर 4445 नए वाहनों का पंजीकरण हुआ था। इसमें भी दोपहिया वाहनों की बिक्री अधिक थी। टाटा के सागर मोटर्स के जीएम सेल्स दीपक वर्मा ने कहा कि 210 कारों की डिलीवरी हुई है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या लगभग 30 फीसदी है। उन्होंने कहा कि नेक्सॉन, पंच समेत सभी मॉडल बिक रहे हैं।

दीया और सजावटी लाइट से जगमगाए गोलचक्कर

ग्रेटर नोएडा। प्रकाश के पर्व दीवाली को लेकर ग्रेटर नोएडा व ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कुछ प्रमुख सड़कों को दीया लाइट से जगमग कर दिया गया है। इसके साथ ही परी चौक व नासा पार्किंग समेत 10 गोलचक्करों पर सजावटी लाइटें भी लगाई गई हैं। धनतेरस के दिन तक यह काम पूरा करना था। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने शनिवार रात क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) की टीम भी सक्रिय हो गई है। दीवाली पर कहीं अंधेरा न रहे यह सुनिश्चित किया जा रहा है। किसी भी तरह की दिक्कत होने पर तुरंत समस्या का समाधान किया जाएगा। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सौरभ भारद्वाज ने बताया कि नॉलेज पार्क में इंडिया एक्सपो मार्ट के पास नासा पार्किंग, सेक्टर अल्फा-1 कमर्शियल बेल्ट के सामने वाली 105 मीटर चौड़ी सड़क जैतपुर गोलचक्कर तक, सेक्टर गामा से एलजी गोलचक्कर तक, औद्योगिक सेक्टर इकोटेक- तीन व ग्रेटर नोएडा वेस्ट की प्रमुख सड़कों पर 200 से अधिक दीया लाइटें लगाई गई हैं। दीवाली को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारी चल रही थी।

दीवाली पर पटाखों की सुरक्षा हेतु दिशा-निर्देश जारी

- निर्माण इकाइयों में फायर अलार्म सिस्टम, अग्निशमन उपकरण, रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।
- दुकान में अग्निशमन यंत्र, रेत और पानी की बाल्टियाँ हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए।

पीलीभीत। आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर पटाखों के असावधानीपूर्ण निर्माण और प्रयोग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत सुरक्षा एडवाइजरी जारी की गई है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ऋतु पूनिया ने आमजन और संबंधित पक्षों से सतर्क रहने की अपील की।निर्देशों में कहा गया है कि केवल लाइसेंस प्राप्त इकाइयों में ही पटाखों का निर्माण किया जाए और अवैध रूप से संचालित इकाइयों पर कार्यवाही की जाए। निर्माण इकाइयों में फायर अलार्म सिस्टम, अग्निशमन उपकरण, रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। कर्मचारियों को सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए और सुरक्षा वर्दी पहनना अनिवार्य हो। कच्चे रसायनिक पदार्थों और ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण नियमानुसार किया जाए। तैयार पटाखों की पैकिंग और परिवहन सुरक्षा मानकों के अनुसार की जाए। निर्माण इकाइयों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत फायर सर्विस या पुलिस से संपर्क किया जाए। पटाखा विक्रेताओं के लिए निर्देश हैं कि केवल वैध लाइसेंसधारी विक्रेता ही पटाखों की बिक्री करें। दुकानों को खुले मैदान और हवादार स्थान पर लगाया जाए। दुकान में अग्निशमन यंत्र, रेत और पानी की बाल्टियाँ हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए। दुकान और आसपास धूम्रपान या खुली आग का प्रयोग निषिद्ध होना चाहिए। ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का भंडारण न किया जाए। दुकानों में भीड़ नियंत्रित रहे और बिजली के तार व उपकरण सुरक्षित हों। आपात स्थिति में तुरंत फायर सर्विस या पुलिस से संपर्क करें। सामान्य तौर पर सभी निर्माता और विक्रेता सुनिश्चित करें कि दुर्घटना या आपात स्थिति में कर्मचारियों को त्वरित निकासी की जानकारी हो और घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। पटाखों की मजबूत पैकिंग और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी ज्वलनशील पदार्थ या ईंधन के पास पटाखों का भंडारण न हो और खराब या नमी वाले पटाखों को सुरक्षित तरीके से नष्ट किया जाए।

साली की शादी में आया 1 लाख का इनामी ढेर

शामली। यूपी के शामली में एक लाख के इनामी बदमाश मोहम्मद नफीस को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ शनिवार तड़के हुई। पुलिस को नफीस को लेकर इनपुट मिला। इसके बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई। सरेंडर करने को कहा, तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में नफीस को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नफीस का एनकाउंटर भाभीसा गांव में हुआ। वो साली की शादी के लिए आया था। मौके से एक बदमाश फरार भी बताया जा रहा है। पुलिस के सीनियर अफसर मौके पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, नफीस कांधला गांव के मुहल्ला खैल का रहने वाला था। पिता का नाम मोहम्मद मूदा है। नफीस पर हत्या, लूट, डकैती के 34 मुकदमे दर्ज थे। 3 साल से फरार चल रहा था। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि जिले में सक्रिय सभी वांटेड बदमाशों की लिस्ट तैयार की गई है। इनकी सर्चिंग के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोका

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में 18 अक्टूबर 2025 को तहसील कलीनगर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कई अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सख्त कार्रवाई की गई। अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जल निगम ग्रामीण, नलकूप विभाग, प्राथमिक खंड, लो0नि0वि0, सिंचाई/बाढ़ विभाग, जिला उद्यान अधिकारी और सहायक निदेशक मत्स्य स्वयं उपस्थित नहीं हुए और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भेजा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित नहीं रहेगा। अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन नो वर्क-नो पे के आधार पर रोका गया है और उन्हें दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के एक दिन का वेतन काट दिया गया है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय में स्पष्टीकरण नहीं दिया गया या अनुपस्थिति की वजह संतोषजनक नहीं पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में किसी भी अधिकारी की गैरहाजिरी शासन के प्रति जिम्मेदारी की अवहेलना मानी जाएगी और इसके लिए अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

महिला स्टेनो कोर्ट की छठी मंजिल से कूदी, मौत

कानपुर। कानपुर कोर्ट में छठी मंजिल से कूदकर महिला स्टेनो ने जान दे दी। महिला के गिरते ही कोर्ट परिसर में भगदड़ मच गई। पुलिसकर्मियों ने लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ी महिला को अस्पताल पहुंचाया।जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि महिला किसी मामले की पैरवी को लेकर लंबे समय से परेशान चल रही थी। इसी के चलते उसने यह कदम उठाया। मृतका के नाना ने कोर्ट के कर्मचारियों पर हैरेसमेंट का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 4 महीने पहले ही नातिन की नौकरी लगी थी। उसने अपनी मां को कॉल करके सब बताया था।

नाना के मुताबिक, उनकी नातिन ने सुसाइड नहीं किया। छठी मंजिल से फेंककर उसकी हत्या की गई है। पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का पर्दाफाश, दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

बरखेड़ा। थाना बरखेड़ा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शस्त्र निर्माण की फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव के निर्देश और अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया के निकट पर्यवेक्षण में क्षेत्र अधिकारी प्रगति चौहान के नेतृत्व में यह सफलता हासिल की गई।पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना बरखेड़ा क्षेत्र के दौलतपुर चौराहे से करीब 500 मीटर आगे, नहर किनारे स्थित एक खाली पड़े खंडहर में छापा मारा। यहां महेंद्र पुत्र शंकर लाल और सादिक पुत्र फुंदन को अवैध शस्त्र बनाने और मरम्मत करने के उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया।

इस मौके पर पुलिस ने सात निर्मित अवैध तमंचे, तीन अर्द्धनिर्मित तमंचे और अवैध शस्त्र निर्माण व मरम्मत में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम में मुख्य रूप से महेंद्र सिंह, अंकित यादव, रणजीत सिंह, मोहम्मद अली, अंकित कुमार और आशीष त्यागी शामिल रहे।थाना प्रभारी प्रगति चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है और प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ये लंबे समय से क्षेत्र में अवैध हथियारों की आपूर्ति में शामिल थे। बरामद हथियारों को जिले और आसपास के क्षेत्रों में तस्करी के माध्यम से सप्लाई करने की योजना थी।उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही पुलिस जिले में अवैध शस्त्र निर्माण और बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई करती रहेगी।

ए,एसपी ने मिशन शक्ति के तहत छात्राओं की सुरक्षा विभिन्न कानूनो के सम्बन्ध में दी जानकारी

ललितपुर । अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन्स स्थित सभागार कक्ष में मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यो व अध्यापिकाओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में छात्राओं की सुरक्षा, विद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, बालिकाओं में आत्मरक्षा की भावना विकसित करने तथा बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक, ने पॉक्सो अधिनियम एवं यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिससे शिक्षण संस्थानों में कार्यरत स्टाफ एवं छात्राओं को इनके प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में महिला हेल्प डेस्क शिकायत पेटी तथा महिला बीट पुलिस अधिकारी की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही, छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1930 आदि की जानकारी देने तथा किसी भी प्रकार की घटना की तत्काल सूचना पुलिस को देने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी कहा गया कि सभी विद्यालयों में समय-समय पर नारी सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से संबंधित गोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, जिससे छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा भावना को बल मिले।

कार पर गिरा हाईटेंशन तार, युवक जिंदा जला

मथुरा। मथुरा में पेट्रोल पंप के पास खड़ी कार पर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। देखते ही देखते ही कार आग के गोले में तब्दील हो गई। कार में बैठा युवक हिल तक नहीं पाया और जलकर खाक हो गया। सिर्फ हड्डियां और राख ही बची। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। रेस्क्यू के बाद कार से कंकाल बरामद हुआ। वह पूरी तरह से जल चुका था। टीम ने कंकाल और राख को बैग में भरकर फोरेंसिक टीम को सौंपा। दरअसल, हाईटेंशन तार की चपेट में आने से कार ने भीषण आग पकड़ ली। कार में एक युवक बैठा था। वह अंदर चीखता-चिल्लाता रहा। लेकिन, हाईटेंशन लाइन की वजह से कोई पास नहीं गया। गांव के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

एसपी ने किया फोर्स के साथ पैदल गश्त- व्यापारियों से की वार्ता

ललितपुर। शहर में दीपावली को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने पुलिस बल के साथ शहर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक, ललितपुर द्वारा धनतेरस एवं दीपावली पर्व के दृष्टिगत कोतवाली ललितपुर क्षेत्रान्तर्गत भीड़भाड़ वाले स्थान/बाजार/सर्राफा बाजार आदि जगहों पर पैदल गस्त कर आमजनमानस को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति किया गया आश्वस्त ।पैदल गस्त के दौरान व्यापारियों दुकानदारों से वार्ता कर दीपावली पर्व की बधाईयां देकर पर्व को शांतिपूर्ण व सद्भाव के साथ मनाने की अपील की गयी। धनतेरस दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा कोतवाली ललितपुर क्षेत्रान्तर्गत बाजारों/सर्राफा बाजार एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त किया गया। इस दौरान उन्होने बाजार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा स्थानीय पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के अवसर पर लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है, अत: संदिग्ध व्यक्तियों, लावारिस वस्तुओं एवं वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जाए। पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों एवं आमजन से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि जनपद पुलिस पूर्ण सतर्कता के साथ शांति एवं सौहार्द बनाए रखने हेतु कटिबद्ध है।

बरेली में पूर्व प्रधान के पुत्र की धनतरस पर मौत

बरेली। नवाबगंज में शनिवार शाम नवाबगंज के गांव गरगईया में हाइवे पर एक सड़क हादसा हो गया। दीवाली का सामान लेकर लौट रहे 26 वर्षीय युवक प्रवेश कुमार की बाइक को एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक प्रवेश कुमार जनपद पीलीभीत के थाना जहानाबाद क्षेत्र के गाँव चाँद डांडी का निवासी था।

वह अपने पिता महेन्द्र कुमार, जो गांव के पूर्व प्रधान हैं, का सबसे छोटा पुत्र था। परिवार में दो भाई और एक बहन हैं। बताया जा रहा है कि प्रवेश की कुछ माह बाद शादी होने वाली थी।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बरेली भेज दिया।

कोतवाली पुलिस का तोहफा, गुम हुए 21 मोबाइल मालिकों को लौटाए

ललितपुर। जिले में शनिवार को कोतवाली साइबर सेल टीम ने आमजन के गुम हुए 21 मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 5 पांच लाख रुपए को बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए. यह कार्यक्रम कोतवाली कार्यालय में आयोजित किया गया। जहां लोगों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में कोतवाली ललितपुर की साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा कोतवाली ललितपुर क्षेत्रान्तर्गत गिरे / खोये हुए मोबाइल के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए थे , जिसके सम्बन्ध में नियमानुसार गुमशुदगी अंकित की गयी थी। कोतवाली ललितपुर की साइबर सेल पुलिस टीम ने पीडितों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रपत्रों का अवलोकन कर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित CEIR पोर्टल पर आवेदक के प्रपत्रों को अपलोड करके , मोबाइल के IMEI नम्बरों को रन कराया गया । विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त तकनीकी डेटा का अवलोकन व तकनीकी विश्लेषण कर प्राप्त जानकारी के आधार पर 21 गिरे हुए / खोये हुए मोबाइलों को विभिन्न राज्यो व उ0प्र0 के अलग-अलग जिलों से बरामद कर उनके स्वामी को नियमानुसार सुपुर्द किया गया ।पीडित के मोबाइल फोन उन्हें वापस मिलने पर , उनके द्वारा पुलिस अधीक्षक , ललितपुर व कोतवाली ललितपुर पुलिस टीम की भूरि ङ्क भूरि प्रशंसा की गयी ।बरामद करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी कां. लोकेन्द्र सिंह साइबर सेल कां संदीप साइबर सेल आदि शामिल रहे।

निर्धारित समयसीमा में करायें फरियादियों की शिकायतों का समाधान

तहसील तालबेहट में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान डीएम व एसपी ने सुनी जनशिकायतें

ललितपुर। जनता की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने के लिए आज शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, तहसील तालबेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अमनदीप डुली व पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने तहसील में आये फरियादियों की शिकायतें सुनी और उनका निस्तारण भी कराया। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता को अपने समक्ष बुलाकर पूरी गंभीरता से उनकी समस्या सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि जल्द ही उनकी समस्या का निस्तारण करा दिया जाएगा। इस दौरान कई शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कराया गया और शेष बची शिकायतों को सम्बंधित अधिकारियों को पृष्ठांकित करते हुए निस्तारण की समयसीमा निर्धारित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय में होना चाहिए, इसके लिए अधिकारी स्वयं शिकायतों का संज्ञान लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराते हुए अवगत करायें।

आज के सम्पूर्ण समाधान दिवस में निम्न शिकायतें प्राप्त हुई। तहसील तालबेहट में कुल 87 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 28, विकास के 07, पुलिस के 20, पूर्ति के 16, विद्युत का 01, नगर पंचायत के 02 तथा अन्य विभागों के 13 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 12 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।

बस ऑपरेटर्स को चेतावनी, सवारियों को नहीं हो दिक्कत, अतिरिक्त वसूली पर कार्रवाई तय

ललितपुर। आगामी त्योहारों को लेकर सहायक सम्भागीय परिवहन विभाग ने जिले के बस ऑपरेटर्स के साथ बैठक की। दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ पूजा को देखते हुए परिवहन व्यवस्था सुरक्षित किए जाने के लिए निर्देशित किया। अधिक किराया वसूलने पर ऑपरेटर्स को कार्रवाई की चेतावनी दी गई। आगामी त्योहार दीपावली, गोवर्द्धन पूजा व भैयादूज तथा छटपूजा के दृष्टिगत सुगम और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु ललितपुर के बस आपरेटर्स के साथ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय ललितपुर के सभा कक्ष में आहूत की गयी। उक्त बैठक में प्रतिभागी बस आपरेटर्स को निम्नलिखित निर्देश दिये गये। बस में यात्रा करने वाले किसी भी यात्री से किसी भी तरह का दुर्व्यहार न किया जाये। बस में यात्रा करने वाले किसी भी यात्री से निर्धारित किराये से अधिक किराये की वसूली किसी भी परिस्थिति में न की जाये। निजी बस यूनियन से चालित सभी बसों की समुचित साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बस चालक/परिचालक द्वारा किसी भी प्रकार का मादक दृव्य (शराब आदि) पीकर वाहन का संचालन किसी भी दशा में न किया/कराया जाए।

शार्ट न्यूज

घर में करंट लगने से युवक की मौत

बीसलपुर। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव चंदपुरा में एक दर्दनाक घटना हुई। घर में बोर्ड सही करते समय अचानक करंट लगने से युवक अमन गंगवार की मौत हो गई। मृतक का पिता नीरज गंगवार बताते हैं कि अमन घर में बिजली का बोर्ड ठीक कर रहा था, तभी उसके हाथ में तार छू गया और वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजन तुरंत उसे सरकारी अस्पताल ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अमन गंगवार का परिवार इस हादसे से टूट गया। अमन न केवल अपने परिवार के लिए एकलौता पुत्र था, बल्कि वह बीएससी का छात्र भी था और समय निकालकर छोटे बच्चों को कोचिंग भी पढ़ाता था। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीण बताते हैं कि अमन बड़ा ही होनहार और मिलनसार लड़का था। उसका असामयिक निधन परिवार और गांव के लिए अपूरणीय क्षति है।

साइकिल और बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल

बीसलपुर। बीसलपुर-रसिया खानपुर मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना अमृता चौराहा के पास हुई जब साइकिल सवार और बाइक सवार आपस में टकरा गए। साइकिल सवार अमृता खास निवासी ओम प्रकाश (60 वर्ष) अपने घर से बीसलपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान कुलदीप पुत्र राजाराम और रवि पुत्र सोमपाल रड़ैता अपनी बाइक तेज गति से चला रहे थे। टक्कर के कारण तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। घटना के कारण क्षेत्र में हल्की अफरातफरी मची रही और राहगीरों ने राहत कार्य में मदद की।

तहसील में भ्रष्टाचार पर वकीलों ने दिया ज्ञापन

बीसलपुर। तहसील कलीनगर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान वकीलों ने अधिकारियों और लेखपालों द्वारा हो रहे शोषण के खिलाफ शिकायती ज्ञापन दिया। वकीलों का आरोप है कि तहसील कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। ज्ञापन में कहा गया कि अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालयों में प्राइवेट कर्मचारी रख रहे हैं, जो बादकारियों से खुलेआम सुविधा शुल्क वसूलते हैं। शुल्क न देने पर झूठे मुकदमे भी दर्ज करवाए जाते हैं। इसके अलावा, प्राइवेट कर्मचारियों द्वारा पत्रावलियों में हेयर फेयर किया जाता है, जिससे आम जनता परेशान है।वकीलों ने कहा कि लेखपालों द्वारा बिना सुविधा शुल्क और दलाल के कोई काम नहीं किया जाता, जिससे जनता को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत का त्वरित निपटान

पीलीभीत। तहसील कलीनगर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान Jaswinder Kaur पत्नी सुखवंत सिंह ने डेढ़ वर्ष से लंबित रही अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने दाखिल खारिज न होने की समस्या का उल्लेख किया। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने शिकायत का तुरंत संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारी से कार्रवाई करवाकर मौके पर ही शिकायतकर्ता के पति को खतौनी उपलब्ध कराई। इस त्वरित निपटान से शिकायतकर्ता परिवार में राहत का माहौल बन गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का शीघ्र निवारण करना है और किसी भी शिकायत को लंबित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ सभी शिकायतों का निराकरण करें।

शिक्षित पीढ़ी से ही होगा मजबूत राष्ट्र का निर्माण

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अम्बेड़करनगर। विकवाजीतपुर में शांति कुंज जन सेवा संस्थान द्वारा ग़रीब और ज़रूरतमंद वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षण सामग्री शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य से गांव के गररीब कमजोर लोगो के घर के बच्चो को शिक्षा देना ही हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य है, विभिन्न गाँवों के नवनिहाल बच्चों को सामान्य ज्ञान से संबंधित तमाम विषयों के अध्ययन हेतु समिति के सदस्यों के द्वारा बितरण किया गया । ज्ञान का प्रकाश हर बच्चे का अधिकार शनिवार को%शांति कुंज जन सेवा समिति% के साथ इन बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई ।एक शिक्षित पीढ़ी ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करती है। शैक्षिक असमानताओं को दूर करने, समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, और सभी व्यक्तियों के लिए आजीवन सीखने के अवसरों की वकालत करने में भूमिका निभाते हैं ।मौक़े पर संस्था के अध्यक्ष शम्भू नाथ सिंह एवं सचिव सदस्यगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशानुसार, महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सुनिश्चित करने के लिए आज दिनांक 18.10.2025 को जनपद ललितपुर के थानों पर गठित मिशन शक्ति केन्द्र टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति और साइबर अपराध जागरूकता का सफल आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और उनका उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। वीमेन पावर लाइन : 1090 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन: 1076 चाइल्ड हेल्पलाइन: 1098 महिला हेल्पलाइन: 181 पुलिस आपातकालीन सेवा: 112 स्वास्थ्य सेवा: 102 एंबुलेंस सेवा: 108 साइबर क्राइम राष्ट्रीय हेल्पलाइन: 1930,साइबर क्राइम पोर्टल : www.cybercrime.gov.in ।

संक्षिप्त समाचार

उरुग्वे : इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित?, क्या है बदलाव, 31 में से 20 सीनेटर ने किया पक्ष में मतदान

उरुग्वे , एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है जिससे यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ अन्य देशों में शामिल हो गया है जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज अपना जीवन समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को उठाए गए इस कदम से उरुग्वे कैथोलिक बहुल लैटिन अमेरिका में कानून के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला पहला देश बन गया है। उरुग्वे में सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन की सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने देश की राजधानी मोंटेवीडियो में सांसदों से कहा, ''जनमत हमें इस पर विचार करने के लिए कह रहा है।'' पिछले पांच साल से रुक-रुक कर आगे बढ़ते रहे इस कानून ने बुधवार को उस समय आखिरी बाधा पार कर ली जब संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटर ने इसके पक्ष में मतदान किया। निचले सदन ने अगस्त में इस विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी थी। चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ 'ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के सांसदों ने इच्छामृत्यु के अधिकार का जोरदार बचाव किया। इसके लिए चलाए गए अभियान की तुलना तलाक एवं समलैंगिक विवाह की वैधता से की। अमेरिकी राज्यों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने का अधिकार केवल उन लोगों को दिया जाता है जिनके जीने की संभावना छह महीने या एक साल से अधिक नहीं है, लेकिन उरुग्वे में ऐसा नहीं है। ''असहनीय पीड़ा'' झेल रहे किसी भी लाइलाज बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इसके लिए आवेदन करने का अधिकार होगा। उरुग्वे में इच्छामृत्यु चाहने वालों के लिए मानसिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। बेल्जियम, कोलंबिया और नीदरलैंड के विपरीत उरुग्वे में नाबालिगों के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति नहीं है।

फ्रांस : अविश्वास प्रस्ताव से बचे पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू बृहस्पतिवार को अविश्वास प्रस्ताव से बच गए। यह उनकी कमजोर नई सरकार को गिराकर फ्रांस को राजनीतिक अराजकता में और भी ज्यादा डुबो सकता था। इसी के साथ नेशनल असेंबली में लेकोर्नू की बड़ी चुनौती दूर हो गई।

भूकंप से दहला इंडोनेशिया का पापुआ, 6.7 तीव्रता दर्ज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत में बृहस्पतिवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र सतह से 70 किलोमीटर की गहराई में था। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

बांग्लादेश के विशेष दूत ने अमेरिका के भारत राजदूत सर्जियो गोर से की महत्वपूर्ण बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस के विशेष दूत लुत्फे सिद्दीकी ने बुधवार को व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग में अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत और भारत के लिए राजदूत-नामांकित सर्जियो गोर से उच्चस्तरीय बैठक की। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने गुरुवार को बयान में कहा कि सिद्दीकी ने बैठक में उत्कृष्ट स्वागत और सार्थक चर्चा के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में दोनों पक्षों ने वाणिज्य और निवेश सहयोग, आर्थिक और प्रशासनिक सुधार, और श्रम बाजार विकास सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। साल 1953 में एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे के साथ एवरेस्ट अभियान में शामिल अंतिम सदस्य कांचा शेरपा का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उरुग्वे में पारित हुआ इच्छामृत्यु को मंजूरी देने वाला कानून

मोंटेवीडियो, एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है। इस कानून के लागू होने से यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ देशों में शामिल हो गया, जहां गंभीर रोगी अपना जीवन खत्म करने को कानूनी मदद ले सकते हैं। इस कदम से उरुग्वे इच्छामृत्यु की मंजूरी देने वाला पहला देश बन गया है। बिल पास होने के बाद उरुग्वे में जश्न का माहौल रहा।

ह्यूस्टन के मेयर बोले-दिवाली उत्सव में आकर गर्व हुआ

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में सर्वाधिक भारतवंशी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के मौके पर शहर से साझेदारी में एक कार्यक्रम किया। इसमें समुदाय के नेता, राजनयिक व भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए।

फ्रांस में सियासी संकट: बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार, सदन में प्रधानमंत्री लेकोर्नु के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव गिरे

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नु गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है।

हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। ससंद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है।

संसद में ड्रामा : गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबोउड की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नू यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं।

फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा : जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की पांचवीं गणराज्य की राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए। अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। जो देश कभी यूरोप की स्थिरता का मॉडल माना जाता था, वह अब एक संकट से दूसरे संकट में फंसते चला जा रहा है।

पेंशन कानून बना अहम मुद्दा : विपक्षी दलों के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों के 2023 के प्रमुख पेंशन कानून को धीरे-धीरे लागू करने का प्रस्ताव रखा। इस कानून के तहत सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 की जानी है। इस देरी से कानून के पूरी तरह लागू होने की समयसीमा लगभग दो साल आगे खिसक सकती है। इससे उन लोगों पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, जो अभी सेवानिवृत्ति के करीब हैं। सरकार का कहना है कि इस देरी से अगले साल करीब 400 मिलियन यूरो (430 मिलियन डॉलर) का अतिरिक्त खर्च आएगा और 2027 तक यह लागत बढ़कर 1.8 बिलियन यूरो (1.9 बिलियन डॉलर) हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा है कि इन खर्चों की भरपाई के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा। फ्रांस में कई लोगों के लिए पेंशन का मुद्दा बहुत संवेदनशील है। 2023 के इस पेंशन कानून ने बड़े विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों को जन्म दिया, जिससे पेरिस की सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए। इसके बाद सरकार ने अनुच्छेद 49.3 का सहारा लिया, जो प्रधानमंत्री को बिना संसद के वोट के कानून पारित कराने का विशेष सांविधानिक अधिकार देता है। लेकिन इस कदम के खिलाफ विरोध और तेज हो गया। अगली बजट की चुनौती गुरुवार को अविश्वास प्रस्तावों के विफल होने के साथ ही मैक्रों की सरकार को थोड़ा वक्त मिल गया है। अब लड़ाई 2026 के बजट पर केंद्रित हो गई है, जिस पर चर्चा 24 अक्तूबर से शुरू होगी। लेकोर्नू ने वादा किया है कि वह बजट पारित कराने के लिए अनुच्छेद 49.3 का उपयोग नहीं करेंगे। यानी बिना वोट के कोई शॉर्टकट नहीं होगा। हर एक प्रावधान को संसद में समर्थन हासिल करना होगा, जबकि संसद अब विभाजित और कमजोर स्थिति में है। सरकार और उसके सहयोगी के पास 200 से भी कम सीटें हैं। बहुमत के लिए उन्हें विपक्ष का समर्थन चाहिए। इस गणित में सोशलिस्ट पार्टी (जिसके पास 69 सांसद हैं) और कंजरवेटिव रिपब्लिकन्स (जिनके पास 50 सांसद हैं) दोनों संभावित निर्णायक समूह बन जाते हैं।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष, एक गांव में 14 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। छह घंटे से अधिक समय तक चला संघर्ष प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। अलगाववादियों ने सेना का दावा किया खारिज पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में हिंसा का इतिहास पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है।

नेपाल सरकार ने भारत के साथ पारस्परिक कानूनी सहायता संधि को दी मंजूरी; सोनल मधेश के नए सीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार ने गुरुवार को भारत के साथ आपसी कानूनी सहायता संधि को मंजूरी दे दी। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में सहयोग को मजबूत बनाना है। यह फैसला प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल ने बताया कि इस संधि के जरिए नेपाल न केवल भारत के साथ बल्कि अन्य देशों के साथ भी कानूनी मामलों में सहयोग बढ़ा सकेगा। प्रस्तावों को राजनयिक चैनलों के जरिए आगे भेजा जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह संधि ड्रग्स तस्करी, मानव तस्करी, नकली मुद्रा और अन्य सीमा पार अपराधों पर रोक लगाने में मदद करेगी। इसके अलावा अपराधियों के लिए भारत या नेपाल को सेफ जोन की तरह इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो जाएगा। 11 नेपाली राजदूतों को वापस बुलाया गया नेपाल सरकार ने इस बैठक में एक और अहम निर्णय लिया; 11 देशों में तैनात अपने राजदूतों को वापस बुलाने का। इन देशों में चीन, जर्मनी, इस्राइल, मलेशिया, कतर, रूस, सऊदी अरब, स्पेन, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान शामिल हैं। राजदूतों को 6 नवंबर तक नेपाल लौटने के निर्देश दिए गए हैं। इस कदम को नेपाल की विदेश नीति में बड़े फेरबदल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के मधेश प्रांत में जितेंद्र प्रसाद सोनल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के नेता हैं। सोनल को 107 में से 56 प्रांतीय विधानसभा सदस्यों का समर्थन मिला। जनकपुरधाम में आयोजित समारोह में प्रांत की प्रमुख सुमित्रा सुभेदी भंडारी ने उन्हें शपथ दिलाई। सोनल की सरकार को जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, जनमत पार्टी, सीपीएन (माओवादी सेंटर) और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) का समर्थन हासिल हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत सरकार का गठन किया गया। दो अन्य नेताओं, जनमत पार्टी के महेश प्रसाद यादव और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के कनीश पटेल, ने भी मंत्री पद की शपथ ली। फिलहाल उन्हें कोई विभाग नहीं दिया गया है।

राष्ट्रपति के खिलाफ भड़का जेन-जेड आंदोलन, एक की मौत और 100 घायल; इस्तीफे से जेरी ने किया इनकार

लीमा, एजेंसी। पेरू के नए राष्ट्रपति जोस जेरी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जबकि देश में उनके खिलाफ चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए हैं। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से जेन-जेड युवाओं के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने राष्ट्रपति से पद छोड़ने की मांग की थी।

अधिकारियों के अनुसार, घायलों में 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। जांच एजेंसियां उस गोलीबारी की जांच कर रही हैं, जिसमें एक प्रदर्शनकारी की मौत हुई। राष्ट्रपति जेरी ने संसद का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया से कहा मेरा दायित्व देश की स्थिरता बनाए रखना है। यही मेरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।

कैसे शुरू हुआ आंदोलन : लगभग एक महीने पहले शुरू हुआ यह विरोध बेहतर पेंशन और युवाओं के लिए नौकरी के अवसरों की मांग से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह भ्रष्टाचार, अपराध और सरकार की विफलताओं के खिलाफ एक बड़े जनांदोलन में बदल गया। जेरी, जो पिछले 10 वर्षों में पेरू के सातवें राष्ट्रपति हैं, ने 10 अक्टूबर को शपथ ली थी। उनके पद संभालने के तुरंत बाद प्रदर्शन और तेज़ हो गए और युवाओं ने उनके साथ-साथ सांसदों से भी इस्तीफे की मांग शुरू कर दी।

प्रदर्शन में हिंसा और मौत : प्रदर्शन के दौरान 32 वर्षीय हिप-हॉप गायक एडुआर्डो रुइज की गोली लगने से मौत हो गई। अभियोजकों ने बताया कि उन्हें सिर में गोली मारी गई थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रुइज को लीमा की सड़कों पर गिरते हुए देखा गया। गवाहों का कहना है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति प्रदर्शनकारियों से बचने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि उसे सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी होने का संदेह था।

राष्ट्रीय लोकपाल कार्यालय के अनुसार, हिंसक झड़पों में 24 प्रदर्शनकारी और 80 पुलिसकर्मी घायल हुए। पत्रकारों पर भी हमला हुआ, जिनमें से छह को पैलेट्स से चोट लगी और चार अन्य पर पुलिस ने हमला किया।

विवादों में घिरे राष्ट्रपति जेरी : जोस जेरी ने हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति डिना बोलुआर्ते की जगह ली थी, जो विरोध प्रदर्शनों को कुचलने और अपराध पर नियंत्रण में विफल रहने के कारण बेहद अलोकप्रिय थीं। 38 वर्षीय जेरी पहले संसद के अध्यक्ष थे। उनके प्रधानमंत्री एर्नेस्टो अल्वारेज एक अति-दक्षिणपंथी पूर्व न्यायाधीश हैं, जिन्होंने पहले जेन-जेड आंदोलन को अराजकता फैलाने वाला गिरोह बताया था। जेरी पर पहले भी विवाद रहे हैं, उन पर एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, हालांकि मामला अगस्त में खारिज कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे को भी उठाया और सड़कों पर ÷द रेपिस्ट इज जेरी÷ जैसे नारे लगाए। जनता का गुस्सा क्यों फूटा विशेषज्ञों का कहना है कि पेरू में लोगों का आक्रोश लंबे समय से बढ़ रहा है। लगातार बदलती सरकारें, भ्रष्टाचार के मामले और अपराध ने जनता के धैर्य को खत्म कर दिया है। समाजशास्त्री ओमार कोरोनेल का कहना है कि युवाओं में असुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा पिछले दशकों की विफलताओं का नतीजा है। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां उठाकर कहा प्रदर्शन करना अधिकार है, मारना अपराध। एक महिला ने पोस्टर पर लिखा हत्यारी से बलात्कारी तक, बस चेहरा बदला है।

पेरिस की तरह वॉशिंगटन में विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं ट्रंप, अमीर कारोबारियों के डिनर में सामने रखी मंशा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन में अपनी एक खास पहचान छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए वह लिंकन स्मारक के पास एक पेरिस की तरह एक विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान बुधवार को इस योजना का खुलासा किया। यह रात्रिभोज उन अमीर व्यापारियों के लिए था, जिन्होंने व्हाइट हाउस में 250 मिलियन डॉलर की लागत से एक भव्य हॉल (बॉलरूम) बनवाने के लिए पैसा दान किया है। हालांकि,ट्रंप ने दरवाजा बनाने की लागत का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने कहा, यह वाकई बहुत खूबसूरत होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार होगा। कई राष्ट्रपति और उनके परिवार अपने कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में कोई खास बदलाव करके अपनी पहचान छोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही कुछ डिजाइन और निर्माण से जुड़े कार्यों में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव रोज गार्डन को पक्के पत्थर से ढका हुआ आंगन बनाना है।

लेकिन यह दरवाजा केवल व्हाइट हाउस तक सीमित नहीं है। यह ट्रंप को वॉशिंगटन में एक और स्थायी स्मारक बनवाने का मौका देगा, जो स्मारकों के लिए मशहूर शहर है। यह योजना ट्रंप के उस पुराने विचार से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शहर की पुरानी चीजों जैसे घास, टूटे-फूटे साइन बोर्ड और सड़कों के बीच की जगहों को नया बनाना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप को फ्रांस से मिलती है।

ट्रंप ने जो विशाल दरवाजा बनाने का प्रस्ताव रखा है, वह पेरिसके मशहूर आर्क डी ट्रायंफ से काफी हद तक मिलता-जुलता होगा। आर्क डी ट्रायंफ पेरिस की प्रसिद्ध सड़क चैंप्स-एलीसीज के अंत में स्थित है। यह स्मारक उन सैनिकों की याद में बनाया गया था, जिन्होंने फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन के युद्ध में लड़ाई लड़ी थी।

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक सैन्य परेड का आयोजन किया गया था। ट्रंप को इस परेड की प्रेरणा तब मिली थी, जब करीब आठ साल पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर पेरिस में ऐसी ही एक भव्य परेड देखी थी।

व्हाइट हाउस को जब इस दरवाजे के बारे में जानकारी के लिए ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया था कि यह कब तक बनकर तैयार हो सकता है, तो व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। बाद में ट्रंपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस परियोजना पर हैरिसन डिजाइन नाम की एक स्थानीय कंपनी काम कर रही है। हालांकि, इस कंपनी ने भी गुरुवार को भेजे ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन पर 18 मामलों में आरोप तय:आजीवन जेल हो सकती है; ट्रम्प के खिलाफ जाकर भारत का समर्थन किया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रहे जॉन बोल्टन पर गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल और लीक करने के आरोप में केस दर्ज हुआ है। बोल्टन पर राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी शेयर करने के 8 और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉन बोल्टन ने ट्रम्प प्रशासन में काम करते वक्त अपनी गतिविधियों के नोट्स और डायरी एंट्रीज एओएल ईमेल अकाउंट में सेव की थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील बातें शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने खुद को और परिवार को मेल किया था। 76 साल के बोल्टन अगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था। हैकर्स ने धमकी दी थी कि अगर बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह जानकारी लीक कर देंगे, जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक हुए थे। बोल्टन ने ट्रम्प के खिलाफ भारत का समर्थ किया था बोल्टन ने अगस्त में सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल

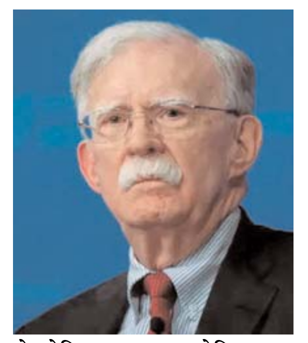

से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। इसके अलावा बोल्टन ने पिछले महीने कहा था कि ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा, व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।

ट्रम्प ने बोल्टन को बुरा आदमी बताया : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बोल्टन पर आरोप तय होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो बुरा आदमी, जैसा करोगे वैसा भरोगे। बोल्टन ट्रम्प प्रशासन में 2018 से 2019 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे। दोनों के बीच कई मतभेद रहे। बोल्टन ने इस्तीफा देने के बाद ट्रम्प पर तीखे आरोप लगाए और किताब लिखी, जिसे ट्रम्प ने चुनाव से पहले रोकने की कोशिश की थी। पहली जांच 2021 में बंद हुई थी, लेकिन अब मामला फिर से खोला गया है। केस अब फेडरल कोर्ट में चलेगा।

आईवीएफ को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए ट्रंप की नई पहल; बीमा कवरेज और दवा मूल्य में भारी कटौती का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए दो बड़े कदमों की घोषणा की। ये कदम उनके चुनावी वादों में से एक थे, जिन्हें उन्होंने अब अमल में लाने की शुरुआत कर दी है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से घोषणा करते हुए बताया कि उनकी प्रशासन जल्द ही ऐसा दिशा-निर्देश जारी करेगी जिससे कंपनियां अपने कर्मचारियों के हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में आईवीएफ कवरेज शामिल कर सकेंगी। इसके साथ ही उन्होंने एक फार्मा कंपनी के साथ समझौते की भी घोषणा की है, जिसके तहत फर्टिलिटी दवाएं अब 84% तक सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगी।

फर्टिलिटी दवाओं पर 84% तक छूट: ट्रंप ने बताया कि ईएमडी सेरोनो, जो दुनिया की सबसे बड़ी फर्टिलिटी ड्रग निर्माता कंपनी है, अब अमेरिका में अपनी सभी फर्टिलिटी दवाएं भारी डिस्काउंट पर बेचेगी। कंपनी की उपाध्यक्ष लिब्बी हॉर्न ने पुष्टि की कि वे गोनल-एफ समेत कई दवाओं पर 84% तक की छूट दे रही हैं। इसके अलावा कंपनी की दूसरी आईवीएफ दवा पेर्गोवेरिस को भी एफडीए के राष्ट्रीय प्राथमिकता कार्यक्रम के तहत मंजूरी के लिए भेजा गया है। यह दवा पहले से ही कनाडा, यूरोप और एशिया के कई देशों में उपलब्ध है।

ट्रंप बोले- मैं हूं फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट: ट्रंप ने खुद को फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट कहा और बताया कि यह पहल उन लाखों दंपतियों के लिए है जो संतान प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में अब तक किसी भी राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया सबसे बड़ा आईवीएफ समर्थन कदम है। अलबामा की सीनेटर केटी ब्रिट ने भी इस योजना की सराहना की और कहा कि यह कदम उन सभी परिवारों को उम्मीद देगा जो आईवीएफ इलाज को लेकर आर्थिक रूप से जूझ रहे हैं।

बीमा में शामिल होगा आईवीएफ इलाज

ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी होने वाले नए दिशा-निर्देश के तहत श्रम मंत्रालय, ट्रेजरी और स्वास्थ्य विभाग मिलकर ऐसा मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिससे आईवीएफ कवरेज को डेंटल या विजन इंश्योरेंस की तरह आसानी से जोड़ा जा सके। हालांकि, यह कवरेज पूरी तरह वैकल्पिक होगा यानी कंपनियों पर इसे लागू करने का कोई दबाव नहीं होगा। प्रीमियम की राशि हर कंपनी की बीमा योजना के ढांचे पर निर्भर करेगी।

आईवीएफ की ऊंची लागत पर चिंता : ट्रंप ने कहा कि आईवीएफ इलाज की लागत फिलहाल 15,000 से 20,000 डॉलर (करीब 12 से 16 लाख रुपये) प्रति चक्र है, जो आम परिवारों के लिए काफी महंगा है। इसलिए सरकार का लक्ष्य है कि बीमा कवरेज और दवाओं की कीमत घटाकर इसे अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। यह पहल ट्रंप द्वारा फरवरी में जारी किए गए एक एक्जीक्यूटिव ऑर्डर का ही हिस्सा है, जिसमें आईवीएफ लागत कम करने के उपाय खोजने के निर्देश दिए गए थे।

अलबामा के विवाद के बाद बढ़ी जागरूकता : पिछले साल अलबामा सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादास्पद फैसले में कहा था कि जमे हुए भ्रूण को बच्चा माना जा सकता है। इस फैसले से आईवीएफ क्लीनिकों में कानूनी अनिश्चितता पैदा हो गई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने आईवीएफ प्रदाताओं के लिए सुरक्षा कानून पारित किया।

शुभमन गिल की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया से पहली परीक्षा आज

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय टीम रविवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में उतरने जा रही है, और यह मुकाबला कई मायनों में खास होगा। सात महीने बाद टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी हो रही है, जबकि वनडे प्रारूप में पहली बार शुभमन गिल बतौर पूर्णकालिक कप्तान टीम की अगुवाई करेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद मैदान से दूर रहे कोहली और रोहित भारतीय क्रिकेट के लिए अब नए दौर का हिस्सा बनकर लौट रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में भारत ने टेस्ट और टी20 प्रारूप में इन दोनों दिग्गजों के बिना भी मजबूती से आगे बढ़ना सीखा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि वनडे फॉर्मेट में इन दोनों के पास टीम को देने के लिए क्या बाकी है।

हालांकि इसमें कोई शक नहीं कि कोहली और रोहित दोनों वनडे क्रिकेट के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। इस सीरीज से पहले दोनों ने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। रोहित ने अपना वजन घटाया है जबकि कोहली ने लंदन में अपने निजी ट्रेनर के साथ अभ्यास किया। आईपीएल के बाद से दोनों ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह वापसी आसान नहीं होगी। रोहित शर्मा अब टीम में बतौर सीनियर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाएंगे। उनकी कप्तानी में भारत ने हाल में टी20 एशिया कप और वनडे चैम्पियनशिप जैसे खिताब जीते हैं। वहीं कोहली के लिए यह सीरीज उनके वनडे करियर की दिशा तय कर सकती है। अगर वह एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लंबी पारी खेलते हैं और रोहित ठोस शुरुआत देते हैं, तो दोनों का करियर कुछ और साल आगे बढ़ सकता है।

मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ रोहित और कोहली की पुरानी प्रतिद्वंद्विता देखने लायक होगी। हालांकि दोनों को पता है कि अब टीम में उनकी जगह स्थायी नहीं है। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों पर दांव लगाने को तैयार हैं। शुभमन गिल पर भी नजरें रहेंगी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर यह जता दिया कि वह कोहली की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। अब कप्तान के तौर पर उन्हें रोहित द्वारा स्थापित मानदंडों पर खरा उतरना होगा।

टीम प्रबंधन रोहित और गिल की ओपनिंग जोड़ी को बरकरार रखेगा। कोहली तीसरे नंबर पर, उनके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल खेलेंगे। हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतिश कुमार रेड्डी वनडे डेब्यू कर सकते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में सिराज और अर्शदीप के साथ हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिल सकता है, जबकि स्पिन का जिम्मा कुलदीप यादव और अक्षर पटेल संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कोनोर कोनोली, मार्नस लाबुशेन और मैथ्यू रेनशॉ पर प्रदर्शन की जिम्मेदारी होगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से शुरू होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत-शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया-मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवन, जोश फिलीप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

ज्योति शूरेखा ने रचा इतिहास, फाइनल में जीता कांस्य पदक

नानजिंग (चीन) (एजेंसी)। भारत की स्टार तीरंदाज ज्योति शूरेखा वेंनम ने शनिवार को इतिहास रचते हुए वर्ल्ड कप फाइनल में कांस्य पदक जीत लिया। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला कंपाउंड आर्चर बन गई हैं।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति ने ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर-2 एला गिब्सन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुकाबले में 15 में से 15 परफेक्ट तीर साधे और 150-145 से जीत दर्ज की।

29 वर्षीय ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रुइज़ को 143-140 से हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 एंड्रिया बेसेरा (मेक्सिको) से कड़े मुकाबले में 143-145 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, ज्योति ने वापसी करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन दिखाया। यह ज्योति का वर्ल्ड कप फाइनल में तीसरा प्रदर्शन था – वह इससे पहले ट्लैक्सकाला (2022) और हर्मोसिलो (2023) में पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

महिला कंपाउंड वर्ग में भारत की एक और खिलाड़ी मधुरा धामनगांवकर पहले दौर में मैक्सिको की मरियाना बर्नाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में भारत के ऋषभ यादव को मामूली अंतर से ब्रॉन्ज़ मेडल से चूकना पड़ा। उन्होंने नीदरलैंड्स के पूर्व विश्व चैंपियन माइक श्लॉसर के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में हार का सामना किया। दोनों ने पांचों राउंड में 147-147 की बराबरी की थी, लेकिन शूट-ऑफ में श्लॉसर का तीर केंद्र के ज़्यादा पास था।

भारत के लिए अब तक वर्ल्ड कप फाइनल में अभिषेक वर्मा ही एकमात्र कंपाउंड आर्चर हैं जिन्होंने 2015 (मैक्सिको सिटी) में रजत और 2018 (सैमसुन) में कांस्य पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं किंग कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद वह 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले हैं। इस मैच में कोहली के निशाने पर वह ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा जो 148 साल के क्रिकेट इतिहास में आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं बना पाया है।

यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का। फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर इस रिकॉर्ड पर संयुक्त रूप से बराबरी पर हैं। दोनों के नाम एक फॉर्मेट में 51-51 शतक दर्ज हैं। सचिन ने यह उपलब्धि टेस्ट क्रिकेट में हासिल की थी, जबकि कोहली ने वनडे फॉर्मेट में। अगर विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में सिर्फ एक शतक भी बना देते हैं, तो वह 52 शतक के साथ विश्व क्रिकेट के इतिहास में यह अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वह पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 शतक जड़े हों। सचिन तेंदुलकर ने 2010-11 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट में 51वां शतक लगाया था और यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहा। वहीं, कोहली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक जड़कर इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे उनके लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

महिला वर्ल्ड कप 2025 : भारत को इंग्लैंड के खिलाफ छठे गेंदबाज का विकल्प अपनाने का दबाव

इंदौर(एजेंसी)। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में लगातार दो हार झेल चुकी भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को विशाखापट्टनम में होने वाले अहम मुकाबले में अपने गेंदबाजी आक्रमण को संतुलित करने के लिए छठे गेंदबाज को आजमाने पर विचार करना होगा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हारों ने भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है।

इस विश्व कप सत्र में भारत ने पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों के संयोजन के साथ खेला, जिनमें तीन हरफनमौले हैं। लेकिन यह संयोजन अब तक कारगर साबित नहीं हुआ। भारत को सेमीफाइनल में बने रहने के लिए तीन में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने 251 और 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी उजागर कर दी।

हरफनमौलाओं के कारण टीम ने बल्लेबाजी की गहराई तो बढ़ाई, लेकिन रेणुका सिंह जैसी प्रमुख विकेट लेने वाली गेंदबाज को छोड़ना पड़ा, जिससे गेंदबाजी विविधता कमजोर हुई। अनुभवहीन युवा गौड़ पर भी दबाव बढ़ा है, जबकि बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी इस विकल्प में शामिल करने की संभावनाएं हैं।

बल्लेबाजों का फॉर्म भी चिंता का विषय है। विश्व कप से पहले शानदार फॉर्म में दिख रही भारतीय बल्लेबाजें अब खामोश हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने अर्धशतक लगाया, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स का योगदान नहीं मिला। आखिरी छह विकेट मात्र 36 रन में गिर गए। श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ यह कमी निचले क्रम ने ढक दी थी, लेकिन इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ शीर्षक्रम को जिम्मेदारी से खेलना होगा।

इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, और अब तक यहां दोनों मैचों में बड़े स्कोर बने हैं। इंग्लैंड ने अब तक अपराजेय प्रदर्शन किया है, लेकिन उसके बल्लेबाज एकजुट नहीं दिखे। पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ टीम जल्दी विकेट खो बैठी थी। इंग्लैंड के गेंदबाज संकटमोचक की भूमिका निभा रहे हैं और टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बस एक जीत की जरूरत है। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर तीन बजे से शुरू होगा और यह भारतीय टीम के लिए 'करो या मरो' मुकाबला साबित होगा।

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड

इंग्लैंड-नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

फुटबॉल में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल टीम लगातार निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है।पुरुष सीनियर राष्ट्रीय टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर आ गई है।नवंबर 2016 के बाद से भारतीय टीम का यह सबसे निचला स्थान है।जारी नई रैंकिंग ने भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप और 2027 एएफसी एशियाई कप दोनों की दौड़ से बाहर हो गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरकांटिनेंटल कप, सैफ चैंपियनशिप और ट्राई–नेशन सीरीज में 2023 की जीत के बाद एक उभरती हुई टीम के रूप में देखी जाने वाली भारत की रैंकिंग पिछले एक साल में तेजी से गिरी है।इस साल की शुरुआत में कतर में हुए एएफसी एशियन कप में भारत का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा।ग्रुप मैच में तीन हार के साथ बिना एक भी गोल किए टीम बाहर हो गई।इसके बाद से टीम संघर्ष करती रही है। दो साल से कम समय में तीन मुख्य कोच बदल चुके हैं। सबसे पहले इगोर स्टिमैक को बाहर का रास्ता दिखाया गया, उनके बाद मनोलो मार्केज आए।इस साल की शुरुआत में खालिद जमील को जगह दी गई। जमील के नेतृत्व में प्रगति की झलकियां दिखाई देने के बावजूद विशेष रूप से सीएएफए नेशंस कप में एक मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट जहां भारत ने रणनीतिक सुधार दिखाया, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में परिणाम निराशाजनक रहे।टीम की किसी प्रतिस्पर्धी मैच में आखिरी जीत करीब एक साल पहले नवंबर 2023 में कुवैत पर 1–0 की जीत के साथ हुई थी।वैश्विक स्तर पर स्पेन ने फीफा पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जो विश्व कप विजेता अर्जेंटीना और तीसरे स्थान पर मौजूद फ्रांस से आगे है।

महिला टी20 में किरण नवगिरे ने 34 गेंद में लगाया शतक, रचा इतिहास

नागपुर।भारतीय टीम और महाराष्ट्र की सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे ने इतिहास रच दिया है।नवगिरे ने महिला टी20 में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है।शुक्रवार को महिला खेले गए टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंद पर शतक ठोका।शुक्रवार को महिला टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंदों में शतक लगाया और 35 गेंदों पर 106 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।नवगिरे का शतक 300 से ज्यादा स्ट्राइक रेट वाली एकमात्र महिला टी20 शतक है।इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने पंजाब को आठ ओवर पहले ही हरा दिया। पूर्व में महिला टी20 का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम था। डिवाइन ने जनवरी 2021 में ओटागो के खिलाफ वेलिंगटन के लिए 36 गेंदों पर शतक लगाया था।उस पारी में डिवाइन ने 38 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। नवगिरे के सामने पंजाब की गेंदबाज बेहद साधारण और असहाय नजर आईं।नवगिरे की आक्रामकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे विकेट के लिए मुक्ता नागरे के साथ उन्होंने 103 रन की नाबाद साझेदारी खेली।इसमें मुक्ता के सिर्फ 6 रन थे।नवगिरे ने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए।महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मिरे की रहने वाली नवगिरे ने पहली बार महिला टी20 ट्रॉफी के 2022 संस्करण में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब उन्होंने नागालैंड के लिए 35 छक्के लगाए थे।वह अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 76 गेंदों में 162 रनों की पारी के दौरान महिला टी20 मैच में 150 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय भी बनीं।बड़े शॉट लगाने की क्षमता ने नवगिरे को 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ चेस्टर ली–स्ट्रीट में भारत के लिए डेबू करने का मौका दिलाया था।अक्टूबर 2022 में खेले गए महिला एशिया कप के बाद से उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है।वह भारत के लिए छह मैच खेल चुकी हैं।विमेंस प्रीमियर लीग में वह यूपी वॉरियर्स के लिए खेलती हैं और तीन सीजन की 24 पारियों में 419 रन बना चुकी हैं।नवगिरे भविष्य में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की तरह बनना चाहती हैं।

हर मैच में विराट और रोहित को आजमाना बेवकूफी: अगरकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया है कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया सीरीज में प्रदर्शन जरूर आंका जाएगा, लेकिन हर मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी। रोहित और कोहली सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले हैं और इस बात को लेकर अटकलें लग रही हैं कि 2027 वनडे विश्व कप से पहले उनकी हर सीरीज में समीक्षा होगी।

अगरकर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा, 'जब वे खेलना शुरू करेंगे तो उनका आकलन होगा, लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है। प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा।' उन्होंने यह भी दोहराया कि शुभमन गिल को नया वनडे कप्तान घोषित करने के बाद टीम चयन पर किसी टूर्नामेंट के लिए पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता, जो अभी दो साल दूर है।

अगरकर ने यह स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाए तो उन्हें टीम से बाहर किया जाएगा और अगर उन्होंने तीन शतक बनाए तो 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कोहली और रोहित ने स्वयं टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का निर्णय लिया था और चयन समिति उनके अनुभव से संतुष्ट है। 'दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था। जब उन्होंने फैसला लिया तो हमें उनका सम्मान करना होगा,' उन्होंने कहा।

इस दौरान अगरकर ने मोहम्मद शमी के चयन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि शमी इंग्लैंड दौरे के लिए फिट नहीं थे और पिछले छह से आठ महीनों में उनकी सामान्य मैच फिटनेस ठीक नहीं रही। उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के रणजी ट्रॉफी मैच से पहले शमी ने ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम में चयन से नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जताई थी।

अगरकर ने कहा, 'अगर शमी यहां होते तो मैं उन्हें जवाब देता। पिछले छह से आठ महीनों में हमें पता चला कि वह फिट नहीं थे। अगर वह फिट होते तो इंग्लैंड दौरे के लिए भी चुने जा सकते थे। फिटनेस और तैयारी के बिना किसी का चयन करना सही नहीं होता।' इस बयान से स्पष्ट है कि चयन समिति अनुभवी खिलाड़ियों के योगदान को महत्व देती है, लेकिन फिटनेस और टीम की रणनीति को ध्यान में रखते हुए ही निर्णय लिया जाएगा। रोहित और कोहली की वापसी भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण होगी, लेकिन हर कदम पर उनका मूल्यांकन संतुलित तरीके से किया जाएगा।

डेनमार्क ओपन 2025 : सत्विकसैराज–चिराग सेमीफाइनल में, लक्ष्य सेन हुए बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क।डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के स्टार पुरुष डबल्स खिलाड़ी सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में हार गए। सत्विक–चिराग की जोड़ी, जिन्होंने इस साल BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, ने इंडोनेशिया की अनसीड जोड़ी मुहम्मद रियान आर्दियांतो और रहमत हिदायत को 21–15, 18–21, 21–16 से हराकर 65 मिनट तक चले कड़े क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी अब अगले क्वार्टरफाइनल के विजेता का सामना करेगी, जिसमें आठवीं सीड चीन की चेन बो यांग और यी लियू या जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी होगी। सत्विक–चिराग की जोड़ी ने अपनी शुरुआती दो राउंड में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले और चीनी ताइपे की ली जे–हुई और यांग पो–हसुआन की जोड़ी को हराया था। वहीं, लक्ष्य सेन जिन्होंने गुरुवार को विश्व नंबर दो और स्थानीय पसंद एंडर्स एंटोनसेन को सीधे सेटों में हराकर चौंकाया था, शुक्रवार को सातवीं सीड फ्रांसीसी खिलाड़ी एलेक्स लानियर से 9–21, 14–21 से 44 मिनट में हार गए। पहला सेट फ्रांसीसी खिलाड़ी की पूरी पकड़ वाला रहा, जिन्होंने लगातार पांच पॉइंट लेकर 8–2 की बढ़त बनाई, जबकि लक्ष्य नेट पर संघर्ष करते नजर आए और कई अनफोर्स्ड एरर की। दूसरे सेट में लक्ष्य ने 3–1 की शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन फिर लानियर ने नौ लगातार पॉइंट लेकर 10–4 की बढ़त बनाई और आसानी से मैच अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेट खिलाड़ियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें तीन अफगान खिलाड़ियों की मौत हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इसकी पुष्टि करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। पाकिस्तानी हमले में जान गंवाने वाले तीनों खिलाड़ी क्लब लेवल के क्रिकेटर थे, जो मैच खत्म होने के बाद अरगुन लौट रहे थे। इस बीच बमबारी में उन्हें निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसीबी ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा- अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के बहादुर क्रिकेटर्स की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त करता है, जिन्हें पाकिस्तान की ओर से किए गए कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान गंवानी पड़ी। इस हृदयविदारक घटना में उरगुन जिले के तीन खिलाड़ी कबीर, सिबगतुल्लाह, हारून और उनके साथ पांच अन्य देशवासी शहीद हुए हैं, जबकि सात घायल हुए हैं। ये खिलाड़ी इससे पहले एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में खेलने पक्तिका प्रांत की राजधानी शाराना गए थे। उरगुन लौटने के बाद उन्हें निशाना बनाया गया। पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच 17 नवंबर से त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेली जानी है, लेकिन पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बीच एसीबी ने इस सीरीज से हटने का फैसला किया है। बोर्ड ने लिखा- एसीबी इसे अफगानिस्तान के खेल समुदाय, उसके एथलीट्स और क्रिकेट परिवार के लिए बड़ी क्षति मानता है। एसीबी शहीदों के शोक संतप्त परिवारों और पक्तिका प्रांत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त करता है। इस दुखद घटना के बाद और पीड़ितों के प्रति सम्मान जताते हुए, बोर्ड ने नवंबर के अंत में होने वाली पाकिस्तान की आगामी त्रिकोणीय टी20 सीरीज में हिस्सा न लेने का फैसला लिया। इस घटना पर अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा- अफगानिस्तान पर हाल ही में हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों में नागरिकों की जान जाने से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। यह एक ऐसी त्रासदी है जिसमें महिलाओं, बच्चों और उन महत्वाकांक्षी युवा क्रिकेटर्स की जान गई, जो वैश्विक मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख रहे थे।

जैनिक सिनर के सामने जोकोविच का मास्टरप्लान फेल, सेमीफाइनल में हुआ एकतरफा मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। नोवाक जोकोविच और जैनिक सिनर के बीच सिक्स किंग्स स्लैम 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच की रणनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सेर्बियाई स्टार, जो अपनी टैक्टिकल ब्रिलियंस और मानसिक मजबूती के लिए जाने जाते हैं, मैच को लंबा खींचकर सिनर की सहनशक्ति को आजमाने की योजना लेकर आए थे। लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने केवल एक घंटे से थोड़ी अधिक में सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से उन्हें हराकर योजना को धराशायी कर दिया।

एक योजना जो नहीं बन सकी

हार के बाद जोकोविच ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि उनका मास्टरप्लान सिनर को लंबा और शारीरिक मुकाबला खेलने के लिए प्रेरित करने का पूरी तरह फेल हो गया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा, 'मैंने कम से कम लंबे मैच की कोशिश की, लेकिन इतालवी खिलाड़ी के स्तर के सामने यह असंभव था।'

जैनिक सिनर अब जोकोविच के खिलाफ बढ़ती श्रेष्ठता दिखा रहे हैं। उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 6-4 सिन्नर के पक्ष में है, जिसमें उन्होंने पिछले पांच आधिकारिक मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा, जोकोविच ने सिन्नर से 2024 और 2025 के सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी मुकाबलों में भी हार झेली है।

जोकोविच का हल्का-फुल्का रुख

हार के बावजूद जोकोविच ने अपनी खेल भावना और हास्य दिखाया। रियाद के दर्शकों के सामने उन्होंने मजाक किया: 'मुझे खेद है कि आप आज लंबा मैच नहीं देख सके, यह उसकी गलती है, मेरी नहीं!' उन्होंने सिनर की अविरल ऊर्जा की तारीफ की और बताया कि आखिरी गेम में 0-15 पर उन्हें डराने की कोशिश भी असफल रही। 'मैं बस टिके रहने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बहुत अच्छे थे। उन्हें बधाई और फाइनल में शुभकामनाएं।'

हार के बावजूद जोकोविच ने अपने खेल और स्थान का संतुलित मूल्यांकन किया, 'भले ही किसी ने कोर्ट पर आपको इस तरह हराया हो, लेकिन यह अद्भुत है कि मैं अभी भी उच्च स्तर पर खेल पा रहा हूँ, टॉप 10 और टॉप 5 में।'

इस हार ने जोकोविच को सिनर की तेजी से बढ़ती क्षमता का एहसास दिलाया और उन्हें अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की चुनौती दी। वहीं, सिन्नर की जीत ने उन्हें टेनिस की अगली प्रमुख ताकत के रूप में मजबूत किया।

मैग्नस कार्लसन ने दी टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को हरी झंडी, शतरंज में होगा नया फॉर्मेट शुरू

स्पोर्ट्स डेस्क।नॉर्वे के पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को अपना समर्थन दिया है, जो शतरंज की दुनिया में अलग–अलग समय नियंत्रणों को मिलाकर आयोजित की जाएगी।हालांकि इस नए फॉर्मेट की योजना की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों द्वारा आलोचना की गई है, कार्लसन ने इसे 'शतरंज के विकास की दिशा में सोच–समझकर उठाया गया कदम' बताया।

नया फॉर्मेट : तीन समय नियंत्रण

यह चैम्पियनशिप तीन अलग–अलग समय नियंत्रणों में आयोजित होगी: फास्ट क्लासिकल- 45 मिनट प्रति खिलाड़ी + 30 सेकंड इंक्रीमेंट, जो स्नद्बष्ठश्व के नियमों के तहत क्लासिकल रेटेड गेम में गिने जाएंगे।

रैपिड ब्लिट्ज़ कार्लसन के अनुसार, 'कई फॉर्मेट को एक ही खिताब के तहत लाने से खिलाड़ियों की क्षमताओं का व्यापक मूल्यांकन होगा।यह नए समय नियंत्रण आज के खिलाड़ियों और दर्शकों के अनुकूल हैं।'

पायलट और पहले सीजन की तैयारी

कार्लसन ने कहा कि वह 2026 के पायलट टूर्नामेंट के लिए उत्साहित हैं और देखना चाहते हैं कि पहला सीजन 2027 में कैसे सामने आता है। उन्होंने नॉर्वे शतरंज की तारीफ करते हुए कहा, 'यह प्रभावशाली है कि नॉर्वे शतरंज ने इसे संभव बनाया।'

भारत को उच्च विकास के लिए सभी क्षेत्रों में तुरंत सुधार की जरूरत:आईएमएफ

नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एशिया और पैसिफिक विभाग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भारत को सतत आर्थिक विकास बनाए रखने के लिए सभी क्षेत्रों में समग्र सुधारों की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे घरेलू सुधारों के साथ-साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी भी बढ़ानी होगी। अे धिकारी के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि दर इस वर्ष 6 से 6.6 फीसदी के बीच रह सकती है, जबकि अगले वर्ष यह घटकर 6.2 फीसदी हो सकती है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक परिस्थितियाँ और ऊँचे टैक्स हैं। उन्होंने बताया कि भारत का हालिया प्रदर्शन मजबूत है, और सुधारों जैसे जीएसटी ने घरेलू उपभोग को बढ़ावा दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में व्यापार और निवेश के रास्ते में कई नीतिगत और विनियामक बाधाएं हैं, जो निजी क्षेत्र की पूरी क्षमता को प्रभावित करती हैं। उन्होंने व्यापार माहौल को सरल बनाने, एफडीआई प्रतिबंधों में ढील देने और डिजिटल व्यापार को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई।

पूर्व सैनिकों को डाक विभाग की सौगात:अब दवाएं पहुंचेंगी घर तक

नई दिल्ली पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए डाक विभाग ने एक नई सेवा की शुरुआत की है, जिसके तहत ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) पॉलीक्लिनिकों में उपलब्ध न होने वाली दवाएं अब सीधे लाभार्थियों के घर तक पहुंचाई जाएंगी। यह सेवा पूर्व सैनिक विभाग डीईएसडब्ल्यू के सहयोग से शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत, ग्राम स्तरीय उद्यमियों द्वारा संचालित सामान्य सेवा केंद्र से दवाओं की खरीद और पैकेजिंग की जाएगी। इसके बाद इन दवाओं को भारतीय डाक विभाग द्वारा लाभार्थियों के पते पर भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया में उठाव, बुकिंग, परिवहन और वितरण सभी चरणों का जिम्मा डाक विभाग के पास होगा। इस सेवा की पहली पायलट परियोजना 31 जुलाई को दिल्ली में शुरू की गई थी, जिसे लाभार्थियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इसके बाद इसे हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत एनसीआर क्षेत्र में विस्तारित किया गया। पायलट की सफलता के आधार पर देशभर में 458 ईसीएचएस केंद्रों का व्यापक मानचित्रण कर सेवा को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया है।

कोका-कोला भारत में लाएगा अपनी बॉटलिंग यूनिट का आईपीओ

2026 में हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली दुनिया के बड़े बेवरेज ब्रांड्स में शामिल कोका-कोला अपनी भारतीय बॉटलिंग यूनिट हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीबी) को शेयर बाजार में उतारने की योजना बना रहा है। कंपनी इस इकाई का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) अगले साल 2026 में ला सकती है। इस आईपीओ की अनुमानित वैल्यू करीब 10 अरब डॉलर बताई जा रही है, जिसमें से कंपनी 1 अरब डॉलर जुटाने की उम्मीद कर रही है। भारत में आईपीओ बाजार फिलहाल तेजी से बढ़ रहा है और 2025-2026 में रिकॉर्ड तोड़ने की संभावना है। हाल ही में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और हुंडई मोटर की भारतीय इकाइयों ने बड़े आईपीओ किए हैं। कोका-कोला का भी इस सूची में शामिल होना भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, अभी कंपनी ने इस आईपीओ के लिए बैंकर्स नियुक्त नहीं किए हैं और डील की टाइमिंग, स्ट्रक्चर और साइज में बदलाव हो सकते हैं। भारत कोका-कोला के लिए एक बड़ा बाजार है, लेकिन यहां मुकेश अंबानी की कैंपा कोला से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है। कैंपा कोला की सस्ती कीमत (10 रुपये में 200 मिलीलीटर) ने इसे तेजी से लोकप्रिय बनाया है। हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस देश के 12 राज्यों और 236 जिलों में काम करती है, 20 लाख से अधिक रिटेलर्स को सर्विस देती है और 5,200 से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करती है। कंपनी के 14 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट दक्षिण और पश्चिम भारत में स्थित हैं। कोका-कोला ने अपनी भारतीय इकाई की पैरेंट कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड में माइनॉरिटी स्टेक जयंती भारतीया ग्रुप को बेचा है, जो कंपनी के विस्तार और पूंजी संरचना को मजबूत करने का संकेत देता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: शुल्क और कृषि बाजार पहुंच बनी बड़ी बाधा

भारत 15 फीसदी शुल्क प्रस्ताव पर अडिग, अमेरिका चाहता है और रियायतें

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते पर बातचीत तेज़ हो गई है, लेकिन अब भी कई अहम मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने उत्पादों पर लगे 25 फीसदी जवाबी शुल्क को घटाकर पाकिस्तान, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों के स्तर (19-20 फीसदी) तक लाए। वहीं भारत 15 फीसदी शुल्क प्रस्ताव पर अडिग है ताकि उसके श्रम-आधारित उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहें। अमेरिका ने संकेत दिया है कि भारत को अपने डेरी और कृषि बाजारों को खोलना होगा, खासकर सोयाबीन, मक्का और डेरी उत्पादों के लिए।

परंतु भारत इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए विदेशी उत्पादों के लिए खोलने से हिचक रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा, हम प्रत्येक देश के साथ उसकी स्थिति के अनुसार बात करते हैं। भारत से सभी उत्पादों पर शून्य शुल्क की उम्मीद करना अव्यावहारिक है, लेकिन यह व्यापार के लिए फायदेमंद होता। इस बीच, भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक

प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन में वार्ता कर रहा है। नवंबर तक समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश की जा रही है।

रेयर अर्थ निर्यात नियमों पर चीन-अमेरिका में टकराव

बीजिंग ने अमेरिका की चिंताओं को बताया भ्रम

नई दिल्ली चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी व व्यापारिक प्रतिस्पर्धा एक बार फिर तेज हो गई है। इस बार विवाद का केंद्र हैं रेयर अर्थ एलिमेंट्स (दुर्लभ पृथ्वी तत्व), जो आधुनिक तकनीक, रक्षा उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में बेहद जरूरी हैं। चीन द्वारा 8 नवंबर से लागू किए जाने वाले नए निर्यात नियंत्रण नियमों को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई, जिसे बीजिंग ने भ्रम फैलान बताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय की प्रवक्ता ने अमेरिका के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नए नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं और इनका उद्देश्य केवल वैध व नागरिक उपयोगों को नियंत्रित करना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद 3,000 से अधिक वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाता है, ऐसे में चीन की नीतियों की आलोचना करना दोहरे मापदंडो को दर्शाता है। वहीं, अमेरिकी वाणिज्य सचिव स्कॉट बिसेंट ने चीन के वरिष्ठ वार्ताकार ली चेंगगांग को अनादरपूर्ण कहकर विवाद को और बढ़ा दिया। हालांकि, चीन ने संवाद जारी रखने की बात करते हुए किसी भी प्रकार की गैर-जरूरी राजनीतिक प्रतिक्रिया से बचने की अपील की है।

एच-1बी वीजा शुल्क के खिलाफ अमेरिकी वाणिज्य मंडल की कानूनी चुनौती

ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू नया शुल्क छोटे व्यवसायों और तकनीकी क्षेत्र पर भारी

नई दिल्ली अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा पर लगाए गए 100,000 डॉलर नए शुल्क को अदालत में चुनौती दी है। यह शुल्क 2025 के लिए एक वर्ष के लिए लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी कंपनियों को विदेशी सस्ती प्रतिभा की बजाय स्थानीय कर्मचारियों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करना बताया गया था। वाणिज्य मंडल का कहना है कि यह नया शुल्क गैरकानूनी और अनुचित है क्योंकि यह इमिग्रेशन और नेशनलिटी एक्ट के नियमों का उल्लंघन करता है। कानून के अनुसार, वीजा शुल्क केवल सरकारी प्रक्रिया लागत आधार पर तय किए जा सकते हैं, न कि नीति के उद्देश्यों से। वाणिज्य मंडल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य नीति अधिकारी ने कहा कि यह शुल्क छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों, स्टार्टअप्स और तकनीकी कंपनियों के लिए भारी आर्थिक बोझ बन जाएगा, जिससे वे वैश्विक प्रतिभा तक नहीं पहुंच पाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम एच-1बी कार्यक्रम के मूल उद्देश्य, यानी उच्च-कुशल विदेशी पेशेवरों की भर्ती को प्रभावित कर सकता है। यदि यह शुल्क स्थायी रूप से लागू होता है, तो अमेरिकी कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता घट सकती है और वे विदेशी निवेश व नवाचार में पिछड़ सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सप्ताह रही तेजी

एफआईआई की खरीदारी, डीआईआई समर्थन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार में आया जोश

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार तीसरे सप्ताह तेजी का रुख बरकरार रखा। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों प्रमुख सूचकांकों ने चार महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी, घरेलू निवेशकों (डीआईआई) का लगातार समर्थन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें इस रैली के मुख्य कारण रहे। लांकि, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, अमेरिकी सरकार के संभावित शटडाउन और वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में छाई अनिश्चितता के चलते निवेशक कुछ हद तक सतर्क भी नजर आए। बावजूद इसके, भारतीय बाजार में खरीदारी का दबदबा बना रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई, जब सेंसेक्स 451 अंक टूटकर 82,327 पर और निफ्टी 58 अंक गिरकर 25,227 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी गिरावट जारी रही, सेंसेक्स 297 अंक गिरा और निफ्टी 81 अंक फिसल गया। बुधवार से बाजार ने तेजी पकड़नी शुरू की। सेंसेक्स 575 अंक की बढ़त के साथ 82,605 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 178 अंक चढ़कर 25,323 पर पहुंचा। गुरुवार को भी इसी प्रकार की

मजबूती देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने सप्ताह का समापन मजबूत तरीके से किया।

सेंसेक्स 484 अंकों की तेजी के साथ 83,952.19 पर और निफ्टी 124 अंक चढ़कर 25,709.85 पर बंद हुआ। यह साप्ताहिक तेजी संकेत देती है कि भारतीय बाजार में निवेशकों का विश्वास मजबूत बना हुआ है। अब बाजार की नजर अगले सप्ताह आने वाले कॉरपोरेट नतीजों और वैश्विक आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेगी।

रिलायंस रिटेल ने दूसरी तिमाही में दर्ज किया 3,439 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 3,439 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही से 17.2 फीसदी अधिक है। कंपनी का परिचालन एबिटा 16.7 फीसदी बढ़कर 6,624 करोड़ हो गया। इस दौरान परिचालन राजस्व 79,128 करोड़ रहा, जो 19 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है, जबकि सकल राजस्व 90,018 करोड़ रहा, जो 18 फीसदी अधिक है। कंपनी के बेहतर प्रदर्शन का श्रेय परिचालन उत्कृष्टता, स्टोर एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म में निवेश तथा त्योहारी खरीदारी में वृद्धि को दिया गया है। कंपनी की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव से उपभोक्ताओं को कम कीमतों का लाभ मिलेगा, जिससे खपत में और तेजी आएगी। जियो प्लेटफॉर्म्स ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 7,379 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.8 फीसदी अधिक है। कंपनी का परिचालन राजस्व 36,332 करोड़ रहा, जो 14.6 फीसदी बढ़ा है। सकल राजस्व 42,652 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14.9 फीसदी अधिक है। जियो के प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में भी 8.4 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 211.4 तक पहुंच गया। जियो ने इस तिमाही में हर महीने 10 लाख से अधिक नए आवासों को अपनी सेवा से जोड़ा, जिससे फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन करीब 2.3 करोड़ हो गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने कहा

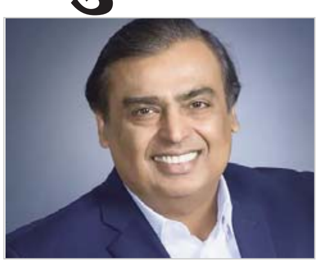

कि कंपनी के सभी फॉर्मेट में बेहतर कारोबार दर्ज हुआ है, जिससे राजस्व और एबिटा दोनों में मजबूत वृद्धि हुई है।

यह प्रदर्शन कंपनी की उपभोक्ता समझ और नवाचार की रणनीति का परिणाम है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा 9.7 फीसदी बढ़ा, राजस्व में 10 फीसदी की बढ़ोतरी

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 18,165 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 18,165 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 9.7 फीसदी अधिक है। हालांकि यह लाभ पहली तिमाही के 26,994 करोड़ रुपए से 32.7 फीसदी कम रहा। कंपनी की समेकित शुद्ध बिक्री सालाना आधार पर 4.5 फीसदी और तिमाही आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 2.55 लाख करोड़ रही, जो ब्लूमबर्ग के 2.49 लाख करोड़ के अनुमान से अधिक थी। जबकि शुद्ध लाभ, 18,900 करोड़ के अनुमान से थोड़ा कम रहा। रिलायंस के तीन प्रमुख व्यवसाय–जियो, रिटेल और ऑयल-टू-केमिकल्स ने कंपनी के प्रदर्शन को मजबूती दी। जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध मुनाफा 13 फीसदी बढ़कर 7,379 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि खुदरा कारोबार ने भी तेज ग्रोथ दिखाई। ऑयल-टू-केमिकल्स सेगमेंट में संचालन में सुधार और घरेलू मांग के चलते प्रदर्शन बेहतर रहा।

भारत का तेल आयात बिल 15 फीसदी घटा, रूसी तेल में फिर उछाल

▸▸ अप्रैल-सितंबर 2025 में कच्चे तेल पर भारत का खर्च घटकर 60.7 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत का कच्चे तेल का आयात खर्च सालाना आधार पर 14.7 फीसदी गिरकर 60.7 अरब डॉलर हो गया। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, पिछले साल इसी अवधि में यह बिल 71.2 अरब डॉलर था। इस गिरावट का प्रमुख कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और आपूर्ति में बढ़ोतरी रहा। ओपीईसी प्लस देशों द्वारा उत्पादन बढ़ाने से वैश्विक आपूर्ति में सुधार हुआ, जिससे भारतीय कच्चे तेल की औसत कीमत 73.69 डॉलर से घटकर 69.61 डॉलर प्रति बैरल हो गई। हालांकि, आयात की मात्रा में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, यह 12.07 करोड़ टन से बढ़कर 12.12 करोड़ टन रही। भारत अपनी घरेलू ज़रूरतों के लिए अब भी 88.4 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात बिल में भी 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो अब 6.8 अरब डॉलर रह गया। इसकी प्रमुख वजह घरेलू मांग में कमी रही, जिससे गैस की खपत घटकर 3,426.5 करोड़ घन मीटर रह गई। इस बीच रूस से तेल आयात में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तेज़ उछाल आया है। तीन महीने की गिरावट

के बाद अब यह बढ़कर18 लाख बैरल प्रति दिन हो गया है। जुलाई से सितंबर के बीच रूसी तेल का आयात क्रमशः घटता हुआ दिखा था, लेकिन भारतीय रिफाइनर आकर्षक कीमतों के चलते आपूर्ति बनाए रखे हुए हैं।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 2025 शुरू

▸▸ 80 साल से ऊपर के पेंशनभोगी अभी जमा करें

नई दिल्ली

2025 में केंद्र सरकार ने चौथा देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान शुरू किया है। यह अभियान पूरे भारत के 2000 जिलों और उप-मंडलीय मुख्यालयों को कवर करेगा। इसका मकसद पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में आसानी देना है ताकि उनकी पेंशन में कोई रुकावट न आए। पंजाब नेशनल बैंक के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पेंशनभोगी 1 अक्टूबर 2025 से अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। बाकी सभी पेंशनभोगी 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकेंगे। यह तारीखें पेंशन विभाग द्वारा तय की गई हैं, और समय पर जमा करने पर पेंशन अगले साल नवंबर तक बिना किसी बाधा के मिलती रहेगी। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र आधार कार्ड से बायोमेट्रिक जानकारी के माध्यम से तैयार होता है। पेंशनभोगी को 'जीवन प्रमाण' ऐप डाउनलोड करना होगा और 'आधार फेस आरडी' ऐप से चेहरा पहचान कराना होगा। इसके बाद पोर्टल पर लॉगिन कर आवश्यक विवरण भरकर सबमिट करना होगा। पंजाब नेशनल बैंक में 80 वर्ष से ऊपर के लिए सुविधा 1 अक्टूबर से शुरू होती है। डाक विभाग की डोरस्टेप सेवा भी उपलब्ध है, जिसमें डाकिया घर आकर मदद करता है। यदि आधार कार्ड लिंक नहीं है तो पहले लिंक

Jeevan Pramaan
Digital Life Certificate for Pensioners

कराना आवश्यक है। अब डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र को ही मान्यता मिली है। पहले की तरह बैंक या डाकघर जाकर फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है। यदि कोई डिजिटल प्रक्रिया नहीं कर पाता, तो फिजिकल जीवन प्रमाण जमा करने का विकल्प वैकल्पिक रूप से मौजूद है।

विक्रम सोलर के शेयर गिरावट के बावजूद मुनाफे में भारी उछाल

शेयर प्राइस में 3 फीसदी की गिरावट, आईपीओ प्राइस से नीचे पहुंचा दाम

नई दिल्ली

सोलर पावर क्षेत्र की कंपनी विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 3 फीसदी की गिरावट के साथ 331.05 रुपये पर बंद हुए। यह कीमत कंपनी के आईपीओ प्राइस 332 रुपये से भी कम है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 407.85 रुपये रहा है, जबकि न्यूनतम 312.50 रुपये पर आया। हालांकि शेयर कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन कंपनी के वित्तीय नतीजे बेहद मजबूत रहे। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में विक्रम सोलर का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 1636.5 फीसदी बढ़कर 128 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा मात्र 7 करोड़ रुपये था। पहली छमाही में कंपनी ने 262 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के 30 करोड़ रुपये से 767 फीसदी अधिक है। दूसरी तिमाही में विक्रम सोलर का रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 1110 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का ऐ बि टिडा मार्जिन भी 8 फीसदी सुधर कर 21 फीसदी पर पहुंच गया है, जो परिचालन दक्षता में सुधार का संकेत देता है। विक्रम सोलर का आईपीओ अगस्त 2025 में खुला था, जिसमें शेयर का शुरुआती मूल्य 332 रुपये था। आईपीओ को कुल 56.42 गुना सब्सक्राइब किया गया, जिसमें क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स की ओर से 145.10 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। शानदार वित्तीय प्रदर्शन के बावजूद शेयर कीमत में गिरावट आने से यह सवाल उठता है कि क्या बाजार को भविष्य में कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कोई संदेह है, या तकनीकी कारण इसकी वजह हैं। निवेशकों के लिए यह विचार करने वाली बात है।

हुंडई 2026 वेन्यू में आधुनिक टेक्नोलॉजी और फीचर्स दिए जाने की उम्मीद

नईदिल्ली (ईएमएस)। हुंडई अपने सब-4 मीटर एसयूवी पोर्टफोलियो में 2026 वेन्यू में आधुनिक टेक्नोलॉजी और फीचर्स दिए जाने की उम्मीद है, जिससे इसे भारत के मोस्ट अवेटेड लॉन्च में से एक माना जा रहा है। इसे कंपनी ने सिर्फ फेसलिफ्ट नहीं बल्कि नेक्स्ट-जेनरेशन मॉडल बताया है। हुंडई ने इसकी लॉन्च डेट 4 नवंबर, 2025 घोषित की है। स्पाई शॉट्स और रेंडर्स से पता चलता है कि 2026 वेन्यू में पूरी तरह नया और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन देखने को मिलेगा।

इस एसयूवी में 12.3-इंच का डुअल डिस्प्ले सेटअप दिया जाएगा, जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले को सपोर्ट करेगा।

यह फीचर इसे ब्रांड की पहली मेनस्ट्रीम एसयूवी बनाता है जिसमें घुमावदार आकार की दोहरी स्क्रीन और नेक्स्ट-जेन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा। नई वेन्यू में फ्यूचरिस्टिक स्टीयरिंग व्हील, व्यवस्थित डैशबोर्ड और स्मार्ट सेंटर कंसोल की उम्मीद है। फीचर्स में 360-डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, रियर वेंटिलेटेड सीटें और ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम शामिल होने की संभावना है।

इसके अलावा, फ्रंट विंडस्क्रीन पर डैशकैम भी दिया जा सकता है।

ओटीए अपडेट भी इसमें दिया जाएगा, जिससे गाड़ी के सॉफ़्टवेयर को भविष्य में आसानी से अपडेट किया जा सकेगा। इन सब अपग्रेड्स के साथ 2026 हुंडई वेन्यू डिजाइन, तकनीक और सुरक्षा में बेहतर होगी और सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए मजबूत विकल्प साबित होगी।

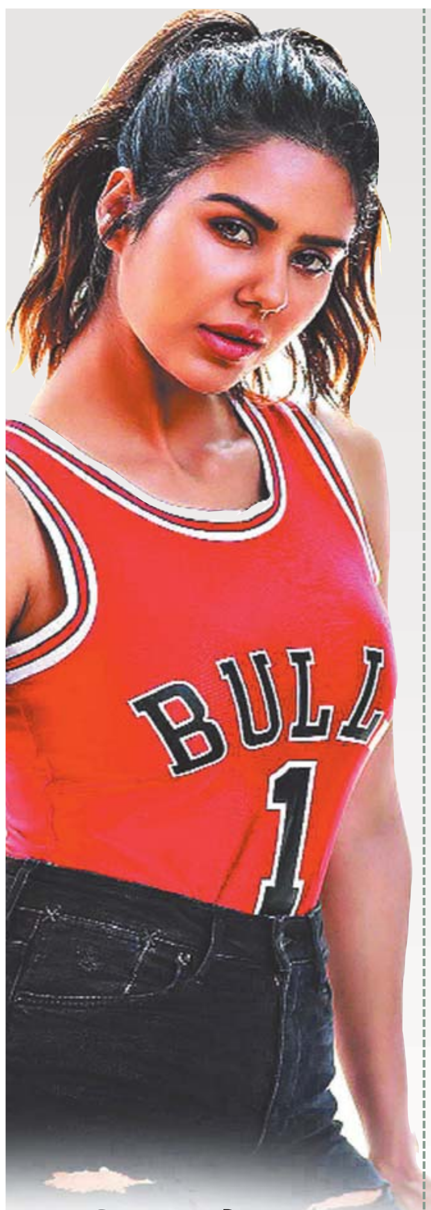

करियर के शुरुआत में कई बॉलीवुड फिल्में ठुकराने का है पछतावा

हाल ही में हाउसफुल 5 और बागी 4 में नजर आ चुकीं अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शुरुआत में उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में ठुकरा दीं, जिसका उन्हें आज पछतावा हो रहा है। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका पर लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे।

सोनम बाजवा ने बताया मैंने कई बॉलीवुड फिल्मों को मना कर दिया। मुझे लग रहा था कि क्या पंजाब में लोग इसे पसंद करेंगे? मैं सोच रही थी कि मेरी फिल्मों को मेरे परिवार के लोग देखेंगे? तब मैं फिल्मों में किसिंग सीन करने से बहुत डरती थी। मैं सोचती थी कि लोग इस बारे में क्या सोचेंगे। मैं सोच रही थी जिन लोगों ने मुझे यहां तक पहुंचाया है, वह मेरे बारे में क्या सोचेंगे? क्या मेरा परिवार यह समझेगा कि यह सिर्फ फिल्म के लिए है? मेरे दिमाग में यह सारे सवाल थे।

सोनम ने आगे बताया कि उनके माता-पिता ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा यह कुछ साल पहले की बात है। मैंने अपने मम्मी-पापा से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, हां, अगर यह किसी फिल्म के लिए है, तो ठीक है। इस पर मैं बहुत हैरान थी। मैं सोच रही थी कि मैंने पहले उनसे बात क्यों नहीं की?

सोनम बाजवा का वर्कफ्रंट

सोनम के काम की बात करें तो, वह जल्द ही अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आने वाली हैं। यह बॉलीवुड फिल्म 21 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्हें आखिरी बार टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बागी 4 में देखा गया था।

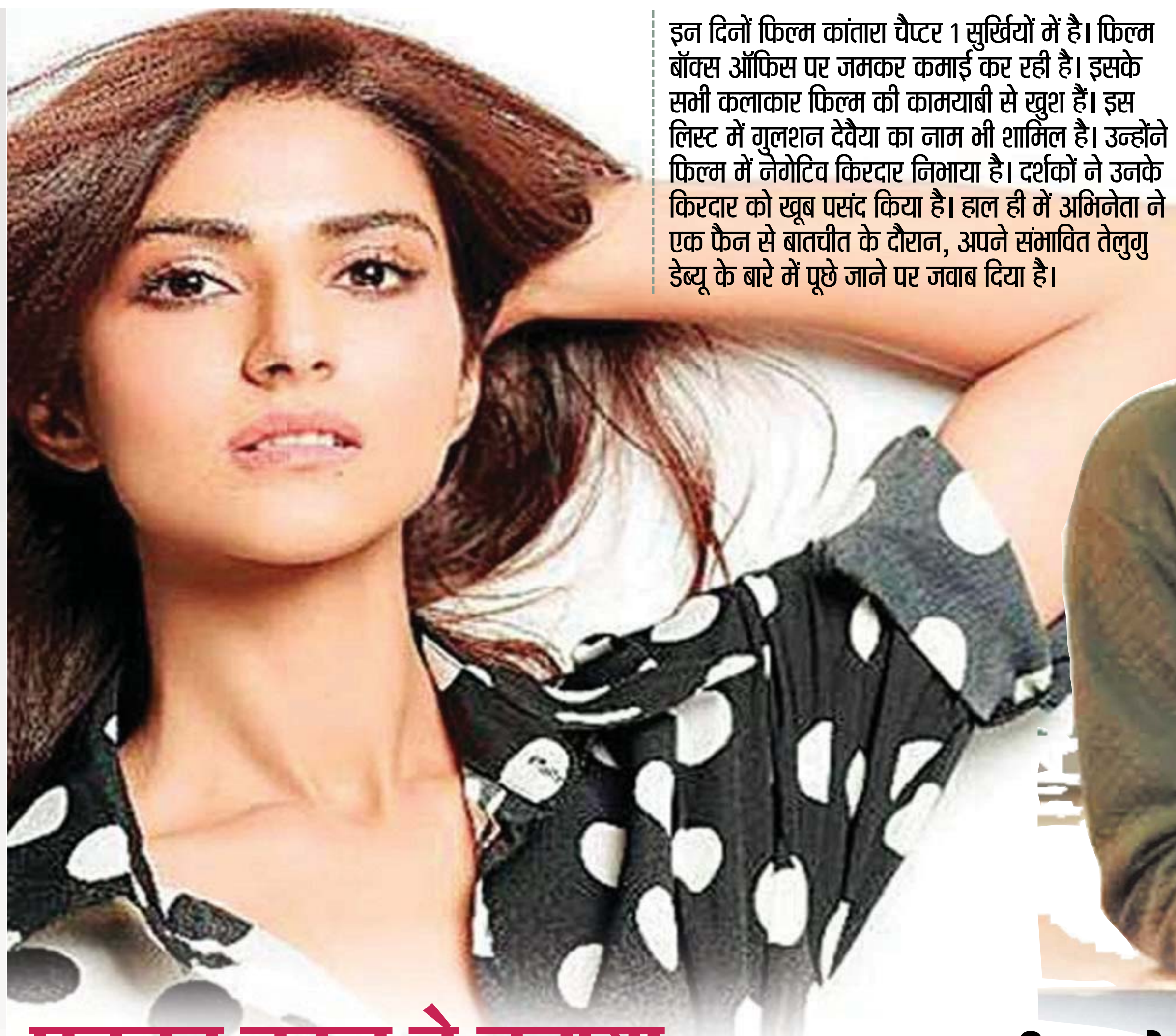

प्रनूतन बहल ने बताया इंडस्ट्री में किन दिक्कतों से गुजरते हैं एक्टर्स के बच्चे

अभिनेत्री प्रनूतन बहल फिल्म इंडस्ट्री के एक मशहूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह मोहनीश बहल की बेटी और दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पोती हैं। उन्हें सिनेमाई पहचान विरासत में मिली है। हालांकि प्रनूतन मानती हैं कि उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं रहा। प्रनूतन बहल बॉलीवुड में स्टार किड के संघर्ष के बारे में बात करती हैं।

स्टार किड के लिए आसान नहीं फिल्म इंडस्ट्री

अभिनेत्री ने बॉलीवुड में एक स्टार किड होने के अपने अनुभव और इस सफर में आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। एचटी से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह अभिनेताओं से घिरी रहती थीं, इसलिए उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि यह एक मुश्किल इंडस्ट्री है। उन्हें पता था कि कई बार बिना काम के भी कई दौर गुजारने पड़ेंगे। उन्हें इस बारे में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडस्ट्री में जिन लोगों के माता-पिता नहीं होते, उन्हें चीजें समझ नहीं आतीं, जिससे उनका सफर और भी मुश्किल हो जाता है।

फिल्मों के लिए पैसे नहीं देता परिवार

बहल ने आगे कहा हर स्टार किड को सब कुछ आसानी से नहीं मिल जाता, और मैं इसका जीता जागता सबूत हूं। ऐसा नहीं है कि मैं एक एक्टर की संतान हूं इसलिए मुझे सब कुछ आसानी से मिल गया है या मेरा परिवार पीछे से फिल्मों के लिए पैसे दे रहा है।

2018 में मिली पहली फिल्म

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्हें एक एक्टर होने के नाते भावनात्मक उथल-पुथल से नहीं जूझना पड़ा, इसलिए उनके लिए सब कुछ कोई झटका नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2016 में अपने ऑडिशन शुरू किए और 2018 में उन्हें अपनी पहली फिल्म मिली।

प्रनूतन का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो प्रनूतन ने 2019 में जहीर इकबाल के साथ फिल्म नोटबुक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सलमान खान थे। वह जल्द ही हिंदी-अंग्रेजी फिल्म कोको एंड नट का हिस्सा होंगी।

इन हसीनाओं के साथ तेलुगु डेब्यू करना चाहते हैं गुलशन देवैया

इन दिनों फिल्म कांतारा चैप्टर 1 सुर्खियों में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। इसके सभी कलाकार फिल्म की कामयाबी से खुश हैं। इस लिस्ट में गुलशन देवैया का नाम भी शामिल है। उन्होंने फिल्म में नेगेटिव किरदार निभाया है। दर्शकों ने उनके किरदार को खूब पसंद किया है। हाल ही में अभिनेता ने एक फैन से बातचीत के दौरान, अपने संभावित तेलुगु डेब्यू के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया है।

गुलशन देवैया सोशल मीडिया पर अपने फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में वह सोशल मीडिया पर फैंस को कांतारा चैप्टर 1 में अपने अनुभवों और अपकमिंग फिल्मों के सवालों के जवाब दे रहे थे। ऐसे में गुलशन से एक फैन ने पूछा कि आप तेलुगु में कब डेब्यू कर रहे हैं? इस पर गुलशन ने हैरान करने वाला जवाब दिया। उन्होंने लिखा जब सामंथा रुथ प्रभु या साई पल्लवी हां कहेंगी, तभी तेलुगु में डेब्यू करेंगे। इस पर एक फैन ने लिखा हम आपको तेलुगु खलनायक के रूप में देखना चाहते थे।

कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया

ख्याल रहे कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया ने शाही राजकुमार कुलशेखर की भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें खूब प्रशंसा मिली। इसमें ऋषभ शेट्टी ने एक योद्धा का किरदार निभाया है। वही इस फिल्म के निर्देशक और लेखक भी हैं। इसमें रुक्मिणी वसंत और जयराम भी अहम भूमिका में हैं। गुलशन देवैया ने हाल ही में नेटफ्लिक्स सीरीज लिगेसी के साथ अपने तमिल डेब्यू की भी घोषणा की है।

भारत के इतिहास की बात है द ताज स्टोरी

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है।

गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? द ताज स्टोरी सिर्फ एक ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमा आधारित विमर्श है, जो सामाजिक टिप्पणी और ऐतिहासिक तथ्यों की नई व्याख्या को साथ लेकर चलता है। 31 अक्टूबर 2025 को देशभर में भव्य रिलीज़ के लिए तैयार द ताज स्टोरी निश्चित रूप से दर्शकों को सोचने, सवाल करने और इतिहास तथा आज़ादी के मायनों को नए सिरे से समझने के लिए प्रेरित करेगी।

शाहरुख खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव

स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है। अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की। काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। मीरा ने बताया कि उनके करियर में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब वह भारत आईं और यहां पांच साल रहीं। भारत में उन्होंने डांस इंडस्ट्री को करीब से देखा और कई ऑडिशन, कास्टिंग और शूटिंग्स का हिस्सा बनीं। लेकिन उनके लिए सबसे यादगार अनुभव एक टीवी कमर्शियल था, जो उन्होंने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ किया। उन्होंने कहा, यह एक छोटा सा रोल था; मैं सिर्फ तीन सेकंड के लिए स्क्रीन पर हूं। लेकिन उन तीन सेकंड्स में मैं शाहरुख खान के साथ टैंगो डांस कर रही थी। उस दिन मैंने सोचा कि इससे बेहतर शायद कुछ नहीं हो सकता।

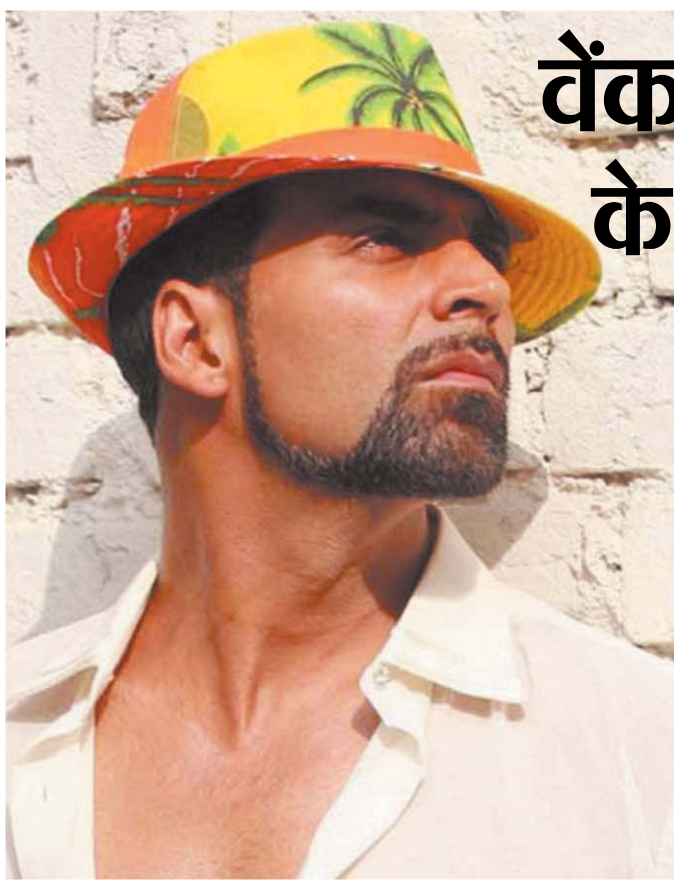

वेंकटेश दग्गुबाती की संक्रांतिकी वस्तुनम के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे अक्षय कुमार

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती की ब्लॉकबस्टर फिल्म संक्रांतिकी वस्तुनम अब हिंदी में बनने जा रही है। इस फिल्म ने साउथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था और अब बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार इसे नए अंदाज में बड़े पर्दे पर लेकर आने वाले हैं।

एक्शन-कॉमेडी फिल्म का हिंदी रीमेक

रिपोर्ट के मुताबिक वेंकटेश की इस जबरदस्त एक्शन-कॉमेडी फिल्म का हिंदी रीमेक बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इस फिल्म को निर्देशित किया था अनिल रविपुडी ने और यह साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म साबित हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने दुनिया भर में 250 से 300 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

अक्षय कुमार बने वेंकटेश के किरदार के नए चेहरे

रिपोर्ट की मानें तो अक्षय कुमार ने इस रीमेक के लिए अपनी हामी भर दी है। एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि अक्षय को तेलुगु फिल्म का कॉन्सेप्ट और स्क्रीनप्ले इतना पसंद आया कि उन्होंने तुरंत इसके हिंदी रीमेक का फैसला कर लिया। फिल्म के निर्माता दिल राजू, जिन्होंने ओरिजिनल वर्जन को भी प्रोड्यूस किया था, अब इसके हिंदी रूपांतरण की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, फिल्म की लीड एक्ट्रेस का नाम अभी तय नहीं किया गया है। कास्टिंग टीम फिलहाल इस पर काम कर रही है। बताया जा रहा है कि शूटिंग पहले शुरू होनी थी, लेकिन अक्षय की व्यस्त शेड्यूल के कारण इसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था।

संक्रांतिकी वस्तुनम में एक भारतीय सीईओ आकल्ला (अवसरला श्रीनिवास) का अपहरण हो जाता है, जो हैदराबाद में वर्ल्ड की नंबर-वन टेक कंपनी का दौरा करने आया होता है। इसके बाद कहानी में एंट्री होती है वाईडी राजू (वेंकटेश) की, जो एक निलंबित पुलिस अधिकारी होता है। घटनाओं के सिलसिले में उसकी पत्नी भाग्यलक्ष्मी (ऐश्वर्या राजेश) और पूर्व प्रेमिका मीनाक्षी (मीनाक्षी चौधरी) भी कहानी में शामिल हो जाती हैं। ये तीनों मिलकर अपहरण की इस रहस्यमयी घटना को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

अक्षय की आने वाली फिल्में

काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय की हालिया फिल्म जॉली एलएलबी 3 सितंबर में रिलीज हुई थी। आने वाले साल में वो भूत बंगला में परेश रावल, तब्बू और वामिका गब्बी के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा अक्षय की वेलकम टू द जंगल भी पाइपलाइन में है, जो एक मल्टीस्टारर कॉमेडी है। वहीं, वह 'हैवान' फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं जिसमें उनके साथ सैफ अली खान, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in